खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 28 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-206

हाइड्रा तानाशाह!

हाईकोर्ट ने दिए आयुक्त रंगनाथ को हटाने के निर्देश

ओमप्रकाश सिरवी

हैदराबाद, 27 जुलाई।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने सोमवार को हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य सरकार के मुख्य सचिव को उन्हें तत्काल पद से हटाने और उनके स्थान पर वरिष्ठ स्तर के अधिकारी की नियुक्ति करने का निर्देश दिया। यह आदेश लोटुकुंटा भूमि विवाद से जुड़े अवमानना प्रकरण की सुनवाई के दौरान दिया गया।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि अदालत के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद निर्धारित समय सीमा तक लिखित माफीनामा (हलफनामा) दाखिल नहीं किया गया। अदालत ने इस पर गंभीर नाराज़गी जताते हुए कहा कि सचिव स्तर का अधिकारी यदि न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं करता, तो यह न्यायिक व्यवस्था के लिए गंभीर विषय है।

न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि ए.वी. रंगनाथ के विरुद्ध अवमानना के अनेक मामले लंबित हैं और बार-बार न्यायालय के आदेशों की अवहेलना स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने माना कि इस प्रकार का आचरण विधि के शासन के विपरीत है और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

यह मामला पिछले कई दिनों से लगातार हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान चर्चा में रहा है। इससे पहले भी अदालत ने हाइड्रा की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि एजेंसी कानून से ऊपर नहीं है और उसे न्यायालय के आदेशों का पालन करना होगा।

सरकार की ओर से सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने पहले अदालत को आश्वासन दिया था कि न्यायालय के निर्देशों का पालन किया जाएगा और आवश्यक हलफनामा दाखिल किया जाएगा। हालांकि सोमवार को निर्धारित समय तक हलफनामा प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अदालत ने कड़ी नाराज़गी व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव को तत्काल नया अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश जारी कर दिया।

और इधर समाचार लिखे जाने तक राज्य सरकार की ओर से अब तक इस आदेश पर मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव या संबंधित विभाग की कोई आधिकारिक सार्वजनिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई है। प्रशासनिक स्तर पर आगे की कार्रवाई को लेकर सरकार की अगली पहल पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

बार-बार अवहेलना

हाईकोर्ट ने कहा कि आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने पहले भी कई मामलों में अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया।

बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद उन्होंने अपेक्षित संयम नहीं दिखाया और न्यायालय के आदेशों का पूरी तरह पालन नहीं किया। अदालत ने इसे गंभीर माना। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि सचिव स्तर का अधिकारी यदि न्यायालय के आदेशों की अनदेखी करता है, तो यह न्यायिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। अदालत ने टिप्पणी की कि कोई भी अधिकारी कानून से ऊपर नहीं हो सकता।

माफी भी नहीं मानी गई !

इससे पहले अदालत ने रंगनाथ को बिना शर्त माफी दाखिल करने का अवसर दिया था, लेकिन न्यायालय ने पाया कि दाखिल किए गए हलफनामे में अपेक्षित स्पष्ट और बिना शर्त क्षमा-याचना नहीं थी। इस पर भी अदालत ने असंतोष व्यक्त किया।

सरकार को क्या निर्देश दिए गए ?

हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ को हटाकर उनके स्थान पर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) स्तर के अधिकारी की नियुक्ति की जाए, ताकि न्यायालय के आदेशों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित हो सके ।

ए.वी. रंगनाथ की प्रतिक्रिया

हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने कहा कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में संविधान की भावना के अनुरूप कार्य किया है। उनके अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 21 और 48ए के तहत सरकारी संपत्तियों, झीलों और पार्कों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने दावा किया कि जिन सरकारी परिसंपत्तियों की रक्षा की गई, उनकी बाजार कीमत लगभग 1.50 लाख करोड़ है।

रंगनाथ ने बताया कि अब तक 6 झीलों का पूर्ण पुनरुद्धार किया जा चुका है, जबकि 20 अन्य झीलों के पुनरुद्धार का कार्य तेज़ी से जारी है। उन्होंने कहा कि हाइड्रा ने पिछले दो वर्षों में प्रभावशाली लोगों द्वारा कथित रूप से कब्जाई गई सैकड़ों झीलें, पार्क और हजारों एकड़ सरकारी भूमि वापस लेकर सरकार को सौंपी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भूमि माफिया और भू-कब्जाधारी अदालतों को गलत जानकारी देकर गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। लोथुकुंटा भूमि मामले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एक रियल एस्टेट कंपनी ने कथित तौर पर लगभग दस हजार करोड़ मूल्य की सरकारी भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया। साथ ही बिना आवश्यक अनुमति के विरासत चट्टानों पर विस्फोट कर सैकड़ों पेड़ों को नुकसान पहुंचाया गया। इस मामले में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संगठनों, पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय लोगों की शिकायत के आधार पर हाइड्रा ने कार्रवाई की।

रंगनाथ ने कहा कि उनके खिलाफ 63 अवमानना के मामले दर्ज हैं और उनका दावा है कि ये सभी मामले बड़े भू-कब्जाधारियों द्वारा दायर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि और आम लोगों के भूखंड बचाने के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे सभी मामलों का कानूनी रूप से सामना करेंगे और उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

अंत में ए.वी. रंगनाथ ने कहा कि सरकार उन्हें अतीत, वर्तमान या भविष्य में जो भी जिम्मेदारी सौंपेगी, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाते रहेंगे।

बिहार का बड़ा फैसला

एफआईआर होंगी वापस

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

नीट पेपर लीक और धांधली के विरोध में सड़कों पर उतरे छात्र प्रदर्शनकारियों को बिहार सरकार ने बहुत बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने आंदोलन में शामिल छात्रों और उनके परिजनों के हित में चार महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इस बड़े फैसले के तहत प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर दर्ज किए गए सभी मुकदमे वापस लिए जाएंगे और हिरासत या जेल में बंद लोगों को जल्द रिहा किया जाएगा।

गौरतलब है कि नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं के आरोपों के बाद बिहार के कई जिलों में छात्रों ने उग्र प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस ने कई स्थानों पर मामले दर्ज किए थे और कई युवाओं को हिरासत में ले लिया था। सरकार द्वारा तय समय-सीमा (कट-ऑफ) तक हुए प्रदर्शनों पर नरमी बरतने के इस फैसले से उन सैकड़ों छात्रों और अभिभावकों ने राहत की सांस ली है, जिनके भविष्य पर मुकदमों के कारण अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे थे।

राज्य सरकार की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, प्रदर्शनकारियों को राहत देने के लिए निम्नलिखित चार प्रमुख कदम उठाए गए हैं:

1.कार्रवाई से राहत: 26 जुलाई 2026 की शाम 6 बजे तक बिहार में हुए विरोध प्रदर्शनों में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई दंडात्मक, प्रतिशोधात्मक या प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

2.FIR और नोटिस की वापसी: 26 जुलाई 2026 शाम 6 बजे से पहले दर्ज की गई सभी प्राथमिकियों , शिकायतों और जारी किए गए कारण बताओ नोटिसों को वापस लेने की कानूनी प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाएगी।

3.शीघ्र रिहाई: तय समय-सीमा से पहले दर्ज मामलों के तहत जिन भी छात्रों या प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, उन्हें जल्द से जल्द रिहा किया जाएगा। ▶8पर

प्रधान इस्तीफ़े के साइड इफेक्ट

तेलंगाना समेत 4 राज्यों के शिक्षा मंत्री संकट में

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब छात्र संगठनों और विपक्षी दलों ने विरोध प्रदर्शन तेज कर दिए हैं। छात्र संगठनों ने अब झारखंड, पंजाब, केरल और कर्नाटक के शिक्षा मंत्रियों से भी इस्तीफे की मांग की है। असल में पेपर लीक का यह मुद्दा किसी एक परीक्षा या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न परीक्षाओं से भी जुड़ा हुआ है। इसी को लेकर देश के विभिन्न राज्यों में विरोध-प्रदर्शनों का दौर जारी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने सोमवार को राजधानी में बड़े स्तर पर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यदि पेपर लीक मामलों की जवाबदेही तय करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने अपना पद छोड़ा है, तो जिन राज्यों में भी ऐसे गंभीर आरोप लगे हैं, वहां के शिक्षा मंत्रियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए और उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

पंजाब में दो बड़ी सरकारी भर्तियों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब पंजाब में विपक्षी दलकांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दलभगवंत मान सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि राज्य में एक के बाद

एक परीक्षाओं के पेपर लीक और हाई-टेक धांधली हो रही है। दूसरी ओर, राज्य सरकार का दावा है कि पंजाब में कोई पेपर लीक नहीं हुआ, बल्कि समय रहते नकल माफिया का पर्दाफाश किया गया है।

फिलहाल फार्मेसी डिपार्टमेंट और कृषि विभाग की भर्तियों से जुड़े दो मामलों पर भारी बवाल मचा हुआ है,

फार्मेसी ऑफिसर परीक्षा: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के तहत 454 फार्मेसी अफसरों की भर्ती के लिए हाल ही में बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें करीब 7,000 उम्मीदवार शामिल हुए थे। परीक्षा शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर स्पेशल काउंटर इंटेलिजेंस और पुलिस की फ्लाइंग स्काड टीमों ने फरीदकोट, फिरोजपुर और कोट कपूरा के सेंटरों पर छापेमारी की।

इस कार्रवाई में 28 उम्मीदवारों सहित कुल 35 लोगों को हिरासत/गिरफ्तार किया गया। अभ्यर्थी अपनी पगड़ी, जुराबों और अंडरगारमेंट्स में बटन तथा छोटे वायरलेस ब्लूटूथ डिवाइस छुपाकर लाए थे। फिरोजपुर के एक सेंटर से पेन कैमरे के जरिए प्रश्नपत्र स्कैन कर व्हाट्सएप पर बाहर भेजा गया, जहां हरियाणा और राजस्थान से संचालित हो रहे कंट्रोल रूम से अभ्यर्थियों को उत्तर बोले जा रहे थे।

खबरों के मुताबिक, यह गिरोह प्रति कैंडिडेट 3.5 लाख से 13 लाख रुपये वसूल रहा था। विपक्ष ने इसे सीधे तौर पर पेपर लीक और सिस्टम की नाकामी करार देते हुए राज्य के स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। वहीं, पंजाब पुलिस व प्रशासन का कहना है कि यह प्री-एग्जाम पेपर लीक नहीं था, बल्कि परीक्षा शुरू होने के बाद रियल-टाइम में की गई 'हाई-टेक नकल' थी, जिसे वक्त रहते नाकाम कर दिया गया।

कृषि विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा: खेतीबाड़ी एवं किसान कल्याण विभाग में कृषि विकास अधिकारी की भर्ती परीक्षा को लेकर भी विवाद काफी समय से सुर्खियों में है। विपक्ष (विशेष रूप से शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस) का दावा है कि इस परीक्षा का प्रश्नपत्र पहले ही लीक कर दिया गया था। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 24°

एंटी पेपर लीक बिल चर्चा आज

संसद में खत्म हुआ गतिरोध, विपक्ष हुआ तैयार

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

संसद के चालू मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही चला आ रहा गतिरोध आखिरकार टूट गया है। लोक परीक्षा (संशोधन) विधेयक पर मंगलवार को लोकसभा में होने वाली चर्चा में विपक्ष के शामिल होने की पूरी संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, इस विधेयक पर चर्चा दोपहर 12 से 1 बजे के बीच शुरू हो सकती है। हालांकि, चर्चा के दौरान विपक्ष हाल ही में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आधिकारिक बयान देने की पुरजोर मांग करेगा। इसके लिए विपक्ष की ओर से वक्ताओं की सूची भी लगभग तैयार कर ली गई है। इससे पहले विपक्ष की सख्त मांग थी कि जब तक गृह मंत्री छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के मामले में सदन में बयान नहीं देते, तब तक लोक परीक्षा (संशोधन) विधेयक पर कोई चर्चा नहीं होने दी जाएगी। हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के हस्तक्षेप और मध्यस्थता के बाद विपक्ष अपने रुख में कुछ नरमी लाने को तैयार हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, यदि विपक्ष को यह स्पष्ट आश्वासन मिलता है कि चर्चा के दौरान या उसके तुरंत बाद गृह मंत्री लाठीचार्ज के मुद्दे पर बयान देंगे, तो वह बिल पर चर्चा में भाग लेगा।

▶8पर

एनसीपीआई को एनडीए का न्योता

स्पीकर के फैसले पर टिकीं निगाहें

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए 20 बागी सांसदों की नवनिर्मित पार्टी नेशनल सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) को मंगलवार को होने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए आधिकारिक निमंत्रण भेजा गया है। इन बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष एनसीपीआई में शामिल होने और विलय को मान्यता देने के लिए याचिका दायर की हुई है, जिस पर बहुत जल्द फैसला आने की उम्मीद जताई जा रही है।

गौरतलब है कि इस साल अप्रैल में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की करारी हार के बाद पार्टी में आंतरिक कलह और बड़ी टूट सामने आई थी। पार्टी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया था। इसके बाद इन सांसदों ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा में पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) का दामन थाम लिया।

स्पीकर के पाले में गेंद: सर्वदलीय बैठक में भी दिखी थी तल्खी

टीएमसी के बागी सांसदों द्वारा लोकसभा अध्यक्ष को दी गई याचिका में मांग की गई है कि एनसीपीआई में उनके विलय को दलबदल कानून के तहत आधिकारिक मान्यता दी जाए। एक बागी सांसद ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, एनसीपीआई में हमारे विलय संबंधी याचिका माननीय स्पीकर के समक्ष लंबित है और हमें पूरी उम्मीद है कि जल्द ही इस पर सकारात्मक फैसला होगा। संसद के चालू मॉनसून सत्र से ठीक पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में भी इस राजनीतिक उठापटक का असर साफ देखने को मिला था। संसदीय कार्य मंत्री ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूक्रेन व अमेरिकी अधिकारी तैयार कर रहे नया शांति प्रस्ताव, रुस से होगी जंग खत्म

अब तक पुतिन-जेलेंस्की की सीधी मुलाकात कराने की हर कोशिश रही है विफल

कीव

करीब साढ़े चार साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच शांति की उम्मीद जगी है। यूक्रेनी और अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक दोनों देश मिलकर एक नया शांति प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं, जिसे जल्द ही रूस के सामने रखा जाएगा। इस बार की रणनीति युद्ध के मैदान में बदले हालात को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि रूस अब कम से कम हवाई हमलों पर आंशिक युद्धविराम को लेकर पहले से ज्यादा तैयार हो सकता है। इसकी एक वजह यूक्रेन की ओर से हाल के महीनों में रूस के अंदर तक बढ़े लंबी दूरी के हमले भी बताए जा रहे हैं। यानी अगर ऐसा सीजफायर होता है तो यूक्रेन के ड्रोन और मिसाइल रूसी शहरों पर नहीं गिरेंगे। संभव है कि इस आफर को सुनकर पुतिन भी खुश हों।

रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही शांति पहल के अगले चरण पर चर्चा के लिए मुलाकात कर सकते हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात अमेरिका में होने की संभावना है। इस दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संभावित प्रत्यक्ष वार्ता का मुद्दा भी उठ सकता है। जेलेंस्की लगातार कहते रहे हैं कि युद्ध खत्म करने का अंतिम फैसला सिर्फ पुतिन ही ले सकते हैं। हालांकि अब तक दोनों नेताओं की सीधी मुलाकात कराने की हर कोशिश सफल नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन तटस्थ देश में बैठक के बजाय जेलेंस्की को रूस आने की बात कहता रहा है, जिसे कीव गंभीर प्रस्ताव नहीं मानता।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ महीनों में युद्ध में जो कुछ हुआ है, उसने हालात को बदल दिया है। यूक्रेन ने रूस के अंदर सैन्य और रणनीतिक ठिकानों पर लंबी दूरी के हमले तेज किए हैं, जबकि रूस लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों से यूक्रेन के शहरों और नागरिक ढांचे को निशाना बना रहा है। इसी बीच यूक्रेन के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी भी सामने आई है। वहीं ईरान के साथ लड़ाई में फंसे होने के कारण ईरान के पास भी पैट्रियट मिसाइलों की कमी हुई। बताया गया है कि जेलेंस्की इस मुद्दे पर पहले ही ट्रंप को पत्र लिख चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईरान युद्ध में 18 अमेरिकी सैनिक मारे गए और 624 घायल, पेंटागन ने आलोचना के बाद डेटाबेस को अपडेट किया

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन को तीखी आलोचना के बाद ईरान युद्ध में हताहत और घायल सैनिकों के डेटाबेस को अपडेट करना पड़ा। शनिवार को इसमें 140 और घायल सैनिकों और पिछले हफ्ते ईरानी हमलों में मारे गए चार सैनिकों के नाम जोड़े गए। अपडेट डेटाबेस के अनुसार, 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद से 18 सैनिक मारे गए और 624 सैनिक घायल हुए हैं। सीएनएन और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार,ताजा बदलाव में पेंटागन ने डिफेंस कैजुअल्टी एनालिसिस सिस्टम में मृतकों और घायल सैनिकों के लिए एक नई ट्रैकिंग कैटेगरी ओवरसीज आपरेशन्स जोड़ी है। पिछले हफ्ते पेंटागन को मीडिया और सांसदों की आलोचना का सामना करना पड़ा था ।सीनेट की आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के 12 डेमोक्रेटिक सांसदों ने गुरुवार को रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को पत्र लिखकर इस बारे में जवाब मांगा था। रक्षा विभाग के कार्यवाहक प्रेस सचिव जोएल वाल्डेज ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में कहा था कि वेबसाइट पर डेटा में अस्थायी रुकावट के कारण सही संख्या नहीं दिख रही। इस बारे में न्यूयार्क टाइम्स ने सबसे पहले डेटाबेस की गड़बड़ी का खुलासा किया था। इस पर पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शान पार्नेल ने गुरुवार को एक्स पर साझा किए गए एक बयान में सफाई दी थी। उन्होंने इसके लिए डिफेंस कैजुअल्टी एनालिसिस सिस्टम में साइट की गलतियों के लिए अस्थायी डेटा व्यवधान को जिम्मेदार ठहराया था।

राष्ट्रपति पेजेशकियन और सरकारी मीडिया के बीच छिड़ी जंग, ईरान की सत्ता में बढ़ा आंतरिक कलह

तेहरान। ईरान के सियासी गलियारों में अंदरूनी खींचतान और सत्ता में दो फाड़ की खबरें अब खुलकर सामने आने लगी हैं। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की सरकार और देश के सरकारी टीवी नेटवर्क आईआरआईबी के बीच छिड़े तीखे विवाद ने देश की राजनीति में बड़ी हलचल पैदा कर दी है। उल्लेखनीय है कि आईआरआईबी का प्रत्यक्ष नियंत्रण ईरान के सुप्रीम लीडर के पास होता है। यह पूरा विवाद अमेरिका के साथ कूटनीतिक बातचीत और युद्ध की रणनीति से जुड़ा हुआ है। विवाद की मुख्य वजह राष्ट्रपति पेजेशकियन का वह भाषण बना, जिसमें उन्होंने खुलासा किया था कि इजराइल के साथ 12 दिनों के युद्ध के बाद तत्कालीन सुप्रीम लीडर आयतोल्ला अली खामेनेई ने सार्वजनिक तौर पर अमेरिका से बातचीत का विरोध किया था, लेकिन निजी तौर पर इसके लिए हरी झंडी दे दी थी। सरकार की इन्फार्मेशन काउंसिल का आरोप है कि सरकारी टीवी नेटवर्क ने जानबूझकर राष्ट्रपति के भाषण के इस सबसे महत्वपूर्ण हिस्से का प्रसारण रोक दिया। इतना ही नहीं, राष्ट्रपति का समर्थन करने वाले संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कालीबाफ और न्यायपालिका प्रमुख के बयानों को भी टीवी पर नहीं दिखाया गया। विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि अमेरिकी मीडिया को दिए उनके इंटरव्यू को भी सरकारी टीवी ने अधूरा ही प्रसारित किया। दूसरी ओर, सुप्रीम लीडर के नियंत्रण वाले आईआरआईबी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए अपनी सफाई दी है।

छोटी सी मेडाका मछली दिन में 27 बार बनाती है संबंध: शोध

टोक्यो। वैज्ञानिकों ने मेडाका नामक एक छोटी मछली के प्रजनन पैटर्न पर एक दिलचस्प शोध किया है। जापान की ओसाका मेट्रोपालिटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने दावा किया कि काफी छोटे साइज की यह मछली प्रजनन काल में एक दिन में 27 बार तक संबंध बना सकती है। लगातार संबंध बनाने की क्रिया का इसके शुक्राणुओं की गुणवत्ता पर गहरा असर पड़ता है, जिससे उनकी गति और निषेचन दर में भारी गिरावट आती है। वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि 10 बार लगातार मेटिंग के बाद शुक्राणुओं की संख्या और गति दोनों तेजी से गिर जाती हैं। इससे नर मछली के जीन अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की संभावना कम हो जाती है। मेडाका मछली पानी में बाहरी निषेचन के जरिए अंडे देती है। इस प्रक्रिया में नर और मादा मछली एक ही समय पर अपने शुक्राणु और अंडे पानी में छोड़ते हैं। पानी के बहाव में शुक्राणु और अंडे बहुत तेजी से अलग हो सकते हैं, इसलिए निषेचन तभी सफल होता है जब शुक्राणु तेजी से अंडे तक पहुंचें।

नेपाल पर चीन के दबाव का असर, काठमांडू में होने वाले तिब्बत सम्मेलन में नहीं आएंगे दलाई लामा के प्रतिनिधि

काठमांडू

नेपाल सरकार पर चीन के दबाव का बड़ा असर हुआ है। चीन के दबाव के बाद काठमांडू में आयोजित होने वाले तिब्बत से जुड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दलाई लामा की निर्वासित सरकार अपने आधिकारिक प्रतिनिधि नहीं भेजेगी। भारत के हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित मुख्यालय सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) ने 23 से 29 अगस्त तक काठमांडू में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल एसोसिएशन फार तिब्बतन स्टडीज के 17वें सम्मेलन में शामिल न होने का फैसला किया है।

सीटीए ने इस सम्मेलन में अपने थिंक टैंक तिब्बत नीति संस्थान (टीपीआई) से पांच प्रतिनिधियों को भेजने की तैयारी की थी। यह हैं-टीपीआई के निदेशक दावा छिरिंग के नेतृत्व में शोधकर्ता डा. छेवांग दोरजी, डा. छिरिंग डोल्मा, डा. कर्मा तेन्जिंग दलिया और डा. रिगमोन छिरिंग सामदुक। वर्तमान में पेनपा छिरिंग सीटीए के प्रमुख हैं।

एक उच्च सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक, 20 जुलाई को काठमांडू स्थित चीन के राजदूत चांग माओमिंग ने नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राई से मुलाकात में सीटीए के कुछ प्रतिनिधियों के औपचारिक रूप से शामिल होने की बात कहते हुए सम्मेलन को लेकर चिंता जताई थी। सुरक्षा अधिकारी ने बताया, राजदूत ने सम्मेलन को रोकने के लिए तो नहीं कहा, लेकिन चीन-विरोधी बयानबाजी की आशंका जताते हुए चिंता व्यक्त की थी। शायद नेपाल सरकार पर ज्यादा दबाव न पड़े और सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके, इसलिए सीटीए ने अपने प्रतिनिधि न भेजने का फैसला किया है।

सीटीए के 21 जुलाई को लिए गए निर्णय के अनुसार, भले ही उनकी औपचारिक भागीदारी न हो, लेकिन जिन प्रतिनिधियों ने पहले ही अपना पंजीकरण करा लिया है, वे व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में भाग ले सकते हैं। नेपाल सरकार की विदेश नीति का सम्मान करते हुए और असहज स्थिति से बचने के लिए सीटीए ने 21 जुलाई को धर्मशाला में हुई बैठक में औपचारिक रूप से शामिल न होने का निर्णय लिया, एक अन्य सुरक्षा अधिकारी ने कहा, लेकिन सीटीए ने संकेत दिया है कि तिब्बती शोधकर्ता और विशेषज्ञ व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं।

नेपाल में पहली बार इंटरनेशनल एसोसिएशन फार तिब्बतन स्टडीज का सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इससे पहले एशिया में जापान (1989) और मंगोलिया (2013) में यह सम्मेलन आयोजित हो चुका है। आईएटीएस की वेबसाइट के अनुसार, काठमांडू विश्वविद्यालय के हिमालयन सेंटर फार एशियन स्टडीज और सेंटर फार बुद्धिस्ट स्टडीज - रांगजुंग येसे इंस्टीट्यूट इस सम्मेलन के स्थानीय सह-आयोजक हैं।

सम्मेलन के संयोजकों में हिमालयन सेंटर के निदेशक डा. सागर शर्मा और थामस डाक्टर शामिल हैं। संयोजक शर्मा के अनुसार, सम्मेलन की सभी तैयारियां सरकार और सुरक्षा निकायों के समन्वय से की जा रही हैं। शर्मा ने कहा, काठमांडू विश्वविद्यालय इस सम्मेलन का स्थानीय आयोजक है और हम सरकारी निकायों के साथ समन्वय करके सभी तैयारियां कर रहे हैं। वैश्विक स्तर का इतना बड़ा सम्मेलन काठमांडू में आयोजित होना अपने आप में एक अच्छी बात है। चूंकि यह केवल एक अकादमिक कार्यक्रम है, इसलिए कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

दिलचस्प बात यह है कि जिस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर चीन इतनी चिंता जता रहा है, उसमें चीन से ही लगभग 100 प्रतिभागी सहभागी हो रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, सम्मेलन में भाग लेने के लिए पंजीकृत 39 देशों के 700 से अधिक प्रतिनिधियों में सबसे अधिक (लगभग 150) अमेरिका से आ रहे हैं। भागीदारी के मामले में चीन दूसरे स्थान पर है। सम्मेलन में चीन के ल्हासा, सिचुआन, क्विंगहाई और बीजिंग से लेकर अमेरिका के हार्वर्ड व कोलंबिया तथा ब्रिटेन के आक्सफोर्ड व कैम्ब्रिज विश्वविद्यालयों के शोधकर्ता भाग ले रहे हैं। इसके अलावा, चीन में तिब्बत पर शोध करने वाले चाइना तिब्बतोलाजी रिसर्च सेंटर से लेकर भारत, ताइवान और जापान के बौद्ध मठों के प्रतिनिधि भी काठमांडू आ रहे हैं। सम्मेलन का उद्घाटन समारोह 23 अगस्त को काठमांडू विश्वविद्यालय के धुलिखेल परिसर में होगा। सम्मेलन के तहत लगभग 70 पैनल चर्चा सोल्टी होटल में आयोजित की जाएंगी।

आईएटीएस दुनिया भर के तिब्बत अध्ययन से जुड़े शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों, इतिहासकारों, भाषाविदों, धर्मशास्त्रियों और समाजशास्त्रियों की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था के रूप में जानी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य तिब्बत से संबंधित अनुसंधान को बढ़ावा देना है। वहीं, चीन अपने स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत से संबंधित सम्मेलनों में निर्वासित तिब्बती प्रशासन या दलाई लामा की राजनीतिक गतिविधियों के जुड़ने को अपनी संप्रभुता के खिलाफ कदम के रूप में देखता है।

आइंस्टीन की 100 साल पुरानी थ्योरी फिर सही साबित हुई

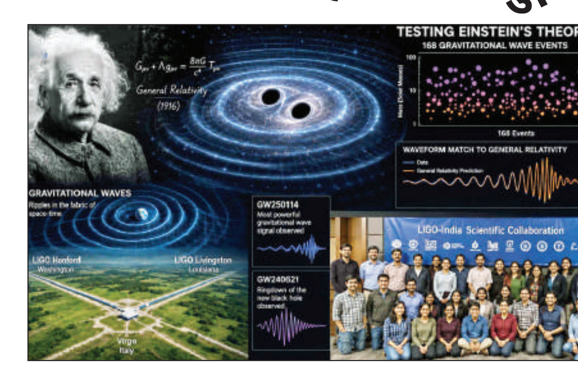

वाशिंगटन

सबसे बड़े टेस्ट में 100 प्रतिशत सच निकली थ्योरी

महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन की लगभग एक सदी पहले प्रस्तुत की गई जनरल रिलेटिविटी थ्योरी एक बार फिर वैज्ञानिकों की सबसे कठिन परीक्षा में खरी उतरी है। लीगो-वर्गो-कागरा (एलवीके) सहयोग से जुड़े वैज्ञानिकों ने अब तक का सबसे व्यापक अध्ययन करते हुए ब्लैक होल के विलय से उत्पन्न 168 ग्रेविटेशनल वेव्स का विश्लेषण किया। इस शोध में ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला, जो आइंस्टीन के गुरुत्वाकर्षण संबंधी सिद्धांत को गलत साबित कर सके। अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि ब्रह्मांड की सबसे चरम परिस्थितियों में भी जनरल रिलेटिविटी के सिद्धांत सटीक रूप से लागू होते हैं।

इस शोध में 77 नई ग्रेविटेशनल वेव घटनाओं और पहले दर्ज किए जा चुके 91 ब्लैक होल विलय के आंकड़ों को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि इतने बड़े स्तर पर किए गए विश्लेषण ने गुरुत्वाकर्षण से जुड़े वैकल्पिक सिद्धांतों की संभावनाओं को भी काफी हद तक सीमित कर दिया है। ग्रेविटेशनल वेव्स अंतरिक्ष और समय के ताने-बाने में उत्पन्न होने वाली अत्यंत सूक्ष्म तरंगें होती हैं। जब दो विशाल ब्लैक होल या अन्य अत्यधिक द्रव्यमान वाले खगोलीय पिंड आपस में टकराते या विलय करते हैं, तब ये तरंगें पैदा होती हैं। आइंस्टीन ने वर्ष 1916 में इनके अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी, जबकि पहली बार इन्हें 2015 में प्रत्यक्ष रूप से दर्ज किया गया। आज इन्हें ब्रह्मांड और गुरुत्वाकर्षण के नियमों की जांच का सबसे प्रभावी माध्यम माना जाता है। वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में ब्लैक होल के एक-दूसरे के करीब आने, उनके टकराने और विलय के बाद बनने वाले नए ब्लैक होल के स्थिर होने तक की पूरी प्रक्रिया का विस्तार से विश्लेषण किया। विशेष रूप से रिंगडाउनचरण का अध्ययन किया गया, जिसमें नया बना ब्लैक होल स्थिर होने से पहले कंपन करता है। सभी 168 घटनाओं में प्राप्त आंकड़े आइंस्टीन की भविष्यवाणियों के अनुरूप पाए गए। शोध के दौरान जीडब्ल्यू 250114 नामक अब तक का सबसे शक्तिशाली ग्रेविटेशनल वेव संकेत भी दर्ज किया गया। इसके अलावा जीडब्ल्यू 240621 घटना में वैज्ञानिकों ने नए बने ब्लैक होल के कंपन को भी रिकार्ड किया, जिससे ब्लैक होल की संरचना और व्यवहार को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

अमेरिका ने तुर्की के सामने रखी शर्त पहले एस-400 सिस्टम हटाए

वाशिंगटन। तुर्की की एफ-35 फाइटर जेट कार्यक्रम में वापसी की उम्मीदों पर अमेरिका ने एक बार फिर पानी फेर दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कांग्रेस को सूचित किया है कि तुर्की अभी भी इस अत्याधुनिक लड़ाकू विमान कार्यक्रम में शामिल होने की कानूनी शर्तों को पूरा नहीं करता है। अमेरिका ने पूरी तरह साफ कर दिया है कि जब तक तुर्की रूस से खरीदी गई एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली से नाता नहीं तोड़ लेता, तब तक उसे एफ-35 विमानों की आपूर्ति नहीं की जाएगी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि तुर्की को सबसे पहले एस-400 सिस्टम और उससे जुड़े सभी उपकरणों को पूरी तरह हटाना होगा और यह गारंटी देनी होगी कि वह भविष्य में ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा। यह पत्र अमेरिकी सांसद वेस्ली बेल के सवाल के जवाब में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भेजा गया, जिसमें हाल ही में ट्रंप और तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन की मुलाकात का भी उल्लेख है। अमेरिका ने माना कि तुर्की और अमेरिका के बीच सुरक्षा और व्यापार के क्षेत्र में मजबूत रिश्ते हैं, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और कानूनी हितों के खिलाफ जाने वाले फैसलों पर तुर्की को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

नेपाल के कप्तानगंज में बोलबम कांवरिया यात्रा पर मुस्लिम समुदाय का हमला, पुलिस ने चलाई गोली, हिन्दू युवक की मौत

काठमांडू

नेपाल के सीमावर्ती सुनसरी जिले के देवानगंज गांव के कप्तानगंज में मुस्लिम समुदाय द्वारा बोलबम कांवरिया यात्रा पर जा रहे हिन्दू युवकों पर किए गए हमले से स्थिति तनावपूर्ण है। दो समूहों के बीच बढ़े विवाद को नियंत्रित करने के लिए सशस्त्र पुलिस द्वारा चलाई गई गोली लगने से एक युवक की मौत होने की जानकारी पुलिस ने दी। मृतक की पहचान 24 वर्षीय ओमप्रकाश मेहता के रूप में हुई है। वह कप्तानगंज का है।

सुनसरी के डीएसपी चंद्र बहादुर खड्का के अनुसार, गोली लगने से गंभीर रूप से घायल मेहता को इलाज के लिए विराटनगर स्थित न्यूरो अस्पताल ले जाते ही रविवार देर रात 11:50 बजे डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच का मामूली विवाद उग्र होकर झड़प और हिंसा में बदल गया, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोली चलानी पड़ी। इस घटना में अन्य 10 लोग घायल हुए हैं। घायलों का इलाज विराटनगर के न्यूरो, विराट नर्सिंग और नोबेल मेडिकल कालेज समेत अन्य अस्पतालों में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है और उनकी पहचान अभी बाकी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सावन के सोमवार के अवसर पर बोलबम यात्रा के लिए सप्तकोशी नदी की ओर जाने के लिए हिन्दू युवाओं का एक समूह डीजे बजाते हुए तैयारी कर रहा था। इसी दौरान, मुस्लिम समुदाय ने रात के समय शोर-शराबा और बाधा उत्पन्न होने का हवाला देते हुए आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे शुरू हुई मामूली कहासुनी के बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। स्थिति के बिगड़ने के बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट, आगजनी और तोड़फोड़ शुरू हो गई। जब नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस की संयुक्त टीम घटनास्थल पर पहुंची, तब घरों, मेडिकल स्टोर और वाहनों में तोड़फोड़ व आगजनी हो रही थी।

हूती विद्रोहियों की लाल सागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों से दुनिया चिंतित

इस क्षेत्र में किसी भी तरह की अस्थिरता का असर वैश्विक कारोबार पर पड़ेगा

तेहरान

यमन के हूती विद्रोही पिछले कुछ सालों में दुनिया के सबसे शक्तिशाली गैर-राज्य सशस्त्र संगठनों में से एक हैं। लाल सागर और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास उनकी बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। इस क्षेत्र से हर साल बड़ी संख्या में कच्चे तेल, एलएनजी और अन्य वस्तुओं से लदे जहाज गुजरते हैं, इसलिए यहां किसी भी तरह की अस्थिरता का असर वैश्विक कारोबार पर पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल के दिनों में हूती समूह ने सऊदी अरब से जुड़े तेल टैंकरों को

निशाना बनाने का दावा किया। जानकारी के मुताबिक एक टैंकर पर हमले के बाद उसमें आग लगने की पुष्टि हुई, जबकि दूसरे जहाज पर हमले के दावे की पुष्टि नहीं हो सकी। इन घटनाओं के बाद कई व्यावसायिक जहाजों ने सुरक्षा कारणों से अपने समुद्री मार्ग बदल दिए हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

सैन्य विश्लेषकों के मुताबिक हूती विद्रोहियों के पास कई प्रकार की बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें, लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन, विस्फोटक नौकाएं और समुद्री बारूदी सुरंगें मौजूद हैं। एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइलें तेज गति से लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम मानी जाती हैं, जबकि क्रूज मिसाइलें समुद्र की सतह के बेहद करीब उड़ान भरकर रडार से बचने की कोशिश करती हैं। इसके अलावा समूह के पास लंबी दूरी के ड्रोन भी हैं, जिनका इस्तेमाल निगरानी और हमलों के लिए किया जाता है। विस्फोटकों से लैस रिमोट नियंत्रित नौकाएं और समुद्री सुरंगें भी उनके समुद्री अभियानों का हिस्सा मानी जाती हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि हूती संगठन को आधुनिक सैन्य तकनीक और उपकरण विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होते हैं। कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में ईरान पर तकनीकी सहायता और हथियार संबंधी सहयोग के आरोप लगाए गए हैं, हालांकि इन दावों पर अलग-अलग पक्षों की अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं रही हैं। इसके अलावा संगठन ने यमन के अपने नियंत्रण वाले इलाकों में भूमिगत ठिकानों और उत्पादन इकाइयों का भी विकास किया है, जहां मिसाइलों और ड्रोन के कई हिस्सों को जोड़ने का काम किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लाल सागर और बाब अल-मंदेब क्षेत्र में जारी तनाव केवल क्षेत्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा। अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा।साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान–पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। वैवाहिक जीवन मे बहुत ख़ूबसूरती रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका गुस्सा राई का पहाड़ बना सकता है, जो आपके परिवार को नाराज़ कर सकता है। वे लोग ख़ुशक़िस्मत हैं जो अपने गुस्से पर क़ाबू रख सकते हैं। इससे पहले कि आपका गुस्सा आपको ख़त्म करे, आप उसे ख़त्म कर दें। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। बदलते समय के साथ क़दमताल करने के लिए नई तकनीक से तालमेल बैठाना महत्वपूर्ण रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपको अपने जीवनसाथी का सहयोगी पक्ष देखने को मिल सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

खाते–पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है।अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अपने भाई बहनों की सलाह लें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। दफ़्तर में शांत और संतुष्ट सोच आपके मन को उत्साहित रखेगी। भविष्य की योजनाओं के लिए आपको नए संपर्क बनाने की ज़रूरत है। ये करिअर की तरक़्क़ी में बहुत मददगार रहेंगे। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। शाम को दोस्तों के साथ घूमें–फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 जुलाई 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी सायं 06:21 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा दोपहर 01:12 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 11:33 तक
करण : वणिज सायं 06:21 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 07:50 तक
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 06:21 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मीरपुर तीर्थ में आचार्य लब्धिवल्लभ सूरीश्वरजी का भव्य मंगल प्रवेश

27 वर्ष पूर्व देखा सपना हुआ साकार, प्रथम चातुर्मास मीरपुर तीर्थ में

चातुर्मास आत्मज्ञान, तप, जप और साधना का श्रेष्ठ अवसर : आचार्य श्री

मुंबई के शाह परिवार ने मात्र पाँच माह में धर्मशाला, उपाश्रय, भोजन–शाला और प्रवचन मंडप का कराया निर्माण

सिरोही (राजस्थान) , 27 जुलाई।

श्री हमीरपुरा पार्श्वनाथ प्राचीन तीर्थ, मीरपुर में सोमवार को आचार्य भगवंत श्री लब्धिवल्लभ सूर–ीश्वरजी महाराज साहब आदि ठाणा का चतुर्विध संघ की उपस्थिति में अत्यंत सादगी एवं श्रद्धाभाव के साथ मंगल प्रवेश हुआ। मंगल प्रवेश के दौरान पूरे तीर्थ परिसर में धार्मिक उल्लास का वातावरण रहा।

मांगलिक प्रवचन में आचार्य श्री ने कहा कि चातुर्मास आत्मा को जानने, तप, जप और साधना करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इन चार महीनों में आराधक परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ आत्मज्ञान प्राप्त कर अज्ञानता का नाश कर अपने जीवन को धन्य बना सकता है।

उन्होंने कहा कि मनुष्य सांसारिक सुखों की प्राप्ति के लिए अनेक पापकर्म करता है और अंततः दुःख का भागी बनता है। संसार में सुख और दुःख दोनों हैं, जबकि मोक्ष में केवल शाश्वत सुख है। ज्ञान, दर्शन और चारित्र के माध्यम से ही आत्मज्ञान की प्राप्ति होती है और चातुर्मास इसी साधना का श्रेष्ठ काल है।

आचार्य श्री ने कहा कि साधु–साध्वी भगवंतों की पावन निश्रा में चातुर्मास आत्मजागरण और चेतना का पर्व है। जैन धर्म के मूल मंत्र जियो और जीने दो का पालन करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्मों का क्षय करने तथा आत्मकल्याण के लिए साधना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मीरपुर जैसा प्राकृतिक एवं प्राचीन तीर्थ आराधकों के लिए अनमोल साधना स्थल है, जिसका भरपूर उपयोग आत्मपरिवर्तन के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि श्री हमीरपुरा पार्श्वनाथ जिनालय जैन धर्म के 108 पार्श्वनाथ तीर्थों में से एक है, जिसकी महिमा का उल्लेख अनेक प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। यह वह पावन भूमि है, जहां भगवान पार्श्वनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी का विचरण माना जाता है तथा अनेक महान आचार्यों ने यहां साधना कर धर्म की प्रभावना की है। मीरपुर तीर्थ लगभग 1300 वर्ष प्राचीन है तथा इसके मूलनायक भगवान वर्तमान में मुंबई स्थित श्री गौड़ीजी पार्श्वनाथ जिनालय में विराजमान हैं।

27 वर्ष पहले देखा सपना आज हुआ साकार

आचार्य श्री ने भावुक होकर बताया कि जब वे मात्र 11 वर्ष के थे, तभी उन्होंने मीरपुर तीर्थ की महिमा सुनी थी और उनके मन में संकल्प जागा था कि भविष्य में उन्हें इस पवित्र साधना भूमि पर चातुर्मास करने का सौभाग्य अवश्य प्राप्त हो। आज 38 वर्ष की आयु में यह संकल्प पूर्ण होने पर वे स्वयं को अत्यंत प्रसन्न और धन्य अनुभव कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि गत वर्ष पालीताना के सिद्धवड़ क्षेत्र में चातुर्मास के दौरान मुंबई के श्रेष्ठी पंकजभाई कांतिलाल शाह ने अगले चातुर्मास का आयोजन मीरपुर में करने का आग्रह किया था। इस वर्ष पंकजभाई शाह, नरेशभाई शाह एवं तेजसभाई शाह परिवार, मुंबई ने संयुक्त रूप से बिना किसी दिखावे और नामांकन की भावना के चातुर्मास का लाभ लेकर प्रभु एवं गुरु भक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके इस समर्पण की प्रवचन मंडप में उपस्थित श्रद्धालुओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ भूरी–भूरी अनुमोदना की।

मात्र पाँच माह में तैयार हुए धार्मिक भवन

लाभार्थी परिवार ने मात्र पाँच माह की अल्प अवधि में नई धर्मशाला, उपाश्रय, भोजनशाला तथा विशाल प्रवचन मंडप का निर्माण करवा दिया। इस अवसर पर लाभार्थी परिवार ने तीर्थ संचालक सेठ श्री कल्याणजी परमानंदजी पेढ़ी ट्रस्ट, सिरोही के अध्यक्ष पंकज ज्ञानचंद गांधी, ट्रस्टियों तथा सिरोही जैन संघ के टिलायत परिवारों का सम्मान कर उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सिरोही जैन संघ के मुख्य टिलायत कमलेश चौधरी ने कहा कि आचार्य श्री ने मीरपुर में चातुर्मास स्वीकार कर इस अति प्राचीन तीर्थ को नई पहचान और धार्मिक गौरव प्रदान किया है, जिसके लिए पूरा श्रीसंघ उनके प्रति कृतज्ञ है। कार्यक्रम में मुख्य टिलायत कमलेश चौधरी, राकेश कांगटानी, पेढ़ी अध्यक्ष पंकज ज्ञानचंद गांधी, पावापुरी तीर्थ जीव मैत्रीधाम के प्रबंध न्यासी महावीर जैन, वीनूभाई पारसमल भंसाली, पंकजभाई शाह, ट्रस्टी पारसमल सिंघवी, राजीव वी. सोलंकी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सेवा और संस्कार ही समाज को सशक्त बनाते हैं : उर्मिला गुप्ता

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण के भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया तथा मानव सेवा को ही सर्वोच्च धर्म मानते हुए सभी ने समाज में सेवा के संस्कारों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उर्मिला गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ''सेवा का भाव संस्कारों से आता है। जब परिवार और समाज में सेवा के संस्कार मिलते हैं, तभी व्यक्ति निस्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता के लिए आगे बढ़ता है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद इसी सेवा, संस्कार और मानवता की भावना को निरंतर आगे बढ़ा रहा है, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है।'' उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य लोगों में आपसी प्रेम, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सेवाभावियों ने नियमित अन्नदान सेवा में सक्रिय भागीदारी निभाई और जरूरतमंदों की सेवा कर आत्मिक संतोष का अनुभव किया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद का यह निरंतर चल रहा सेवा अभियान समाज में करुणा, सहयोग और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य कर रहा है तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य से जुड़ने की प्रेरणा दे रहा है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को दी श्रद्धांजलि

कामारेड्डी, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को कामारेड्डी जिले के सदाशिवनगर मंडल के अदलूर येलारेड्डी गांव में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उनकी प्रतिमा पर फूल–माला चढ़ाकर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम में सूचना का अधिकार सुरक्षा समिति के तेलंगाना राज्य सलाहकार केतु रमना रेड्डी ने कहा कि डॉ. कलाम का देश के विकास में अतुलनीय योगदान है। उन्होंने कहा कि हर भारतीय को उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए और उनकी जीवन कहानी को आदर्श मानकर आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर समिति के तेलंगाना राज्य निदेशक एम.ए. सलीम, जिला प्रवक्ता अधिवक्ता एका श्रीनिवास राव, जिला महिला सचिव यू. भाग्यलक्ष्मी, जिला सलाहकार अबुल रेड्डी, जिला प्रतिनिधि श्रीनिवास गुप्ता, श्रीकांत, कसारला लिंगम, चकाली लिंगम सहित ग्रामीण व समिति के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क चौड़ीकरण कार्य का विधायक विजय रमण राव ने किया निरीक्षण

पेद्दापल्ली, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेद्दापल्ली शहर के प्रवेश द्वार झंडा चौरास्ता से मजीद तक सड़क चौड़ीकरण कार्य का रविवार को सरकारी सचेतक एवं विधायक चिंतकुंता विजय रमण राव ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झंडा चौरास्ता शहर का मुख्य प्रवेश द्वार है, इसके सौंदर्यीकरण और विकास के लिए 3 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर मुख्य सड़क को भव्य बनाने के लिए एक करोड़ रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। विधायक ने बताया कि त्योहारों के दौरान आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आते हैं, जिससे भारी यातायात के कारण लोगों को परेशानी होती है। मास्टर प्लान में सड़क की चौड़ाई 80 फीट थी, जिसे नगर परिषद ने सर्वसम्मति से 60 फीट करने का प्रस्ताव पारित किया था। व्यापारियों और मकान मालिकों के अनुरोध पर इसे घटाकर 55 फीट किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह कार्य दशहरा पर्व से पहले पूरा कर लिया जाएगा और सभी व्यापारी व मकान मालिक इसमें सहयोग करें। इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष नुगिला मल्लैया, आयुक्त अकुला वेंकटेश, उपाध्यक्ष मुस्कान नाज, पार्षदगण, नेता और नगर परिषद कर्मचारी उपस्थित थे।

पंजाब के राज्यपाल से जगमोहन सिंह की शिष्टाचार भेंट

अल्पसंख्यक मोर्चा के विजन, संगठनात्मक गतिविधियों एवं भावी कार्ययोजना पर हुई सकारात्मक चर्चा

राज्यपाल के मार्गदर्शन से समाज सेवा के संकल्प को मिली नई मजबूती

भेंट से अल्पसंख्यक मोर्चा को मिली नई ऊर्जा और दिशा

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री जगमोहन सिंह ने बताया कि उनके लिए यह अत्यंत सौभाग्य का विषय रहा कि उन्हें पंजाब के माननीय राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि इस आत्मीय मुलाकात के दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के विजन, वर्तमान में संचालित संगठनात्मक गतिविधियों तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों तक संगठन की पहुँच और सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के विषय में भी विचार–विमर्श किया गया।

श्री जगमोहन सिंह ने कहा कि माननीय राज्यपाल द्वारा दिए गए अमूल्य मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी विचारों ने समाज सेवा, समर्पण और समावेश की भावना के साथ कार्य करने के उनके संकल्प को और अधिक सुदृढ़ किया है। उनके मार्गदर्शन से संगठन को नई प्रेरणा मिली है, जो भविष्य में जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति प्रदान करेगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह शिष्टाचार भेंट अल्पसंख्यक मोर्चा के लिए नई ऊर्जा, नई दिशा और समाजहित में प्रभावी कार्य करने की प्रेरणा का आधार बनेगी।

एयर होस्टेस और एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

पेद्दापल्ली, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर, पेद्दापल्ली के तत्वावधान में एयर होस्टेस और एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ के 6 माह के नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए योग्य युवक–युवतियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला इंटरमीडिएट शिक्षा अधिकारी कल्पना ने बताया कि यह प्रशिक्षण केवल उन अविवाहित लड़के–लड़कियों के लिए है, जिनकी आयु 17 से 24 वर्ष के बीच है और जिन्होंने सरकारी स्कूल से एसएससी व सरकारी कॉलेज से इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया हो। प्रशिक्षण की कुल फीस 1,42,000 रुपये है, जिसमें से 1,09,000 रुपये का भुगतान जिला कलेक्टर द्वारा किया जाएगा। उम्मीदवार को केवल 5,500 रुपये प्रतिमाह की दर से 6 माह का छात्रावास शुल्क 33,000 रुपये ही वहन करना होगा।

मुल्कल्ला मल्लारेड्डी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

मंचेरियाल, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा के मंचेरियाल जिला के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य स्व. मुल्कल्ला मल्लारेड्डी के निधन पर रविवार को मंचेरियाल नगर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष येरवली रघुनाथ ने स्व. मल्लारेड्डी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने पार्टी संगठन को मजबूत करने में स्व. मल्लारेड्डी के योगदान और उनकी सेवाओं को याद किया। साथ ही ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़, पूर्व सांसद बोरलाकुंटा वेंकटेश नेथा, भाजपा नेता गोमासे श्रीनिवास, वरिष्ठ नेता पुरुषोत्तम जाजू, पेद्दापल्ली पुरुषोत्तम, अशोक वर्धन सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बड़ा शंकरगा में इंदिरम्मा आवास का शिलान्यास

मदनूर, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मीकांत राव के निर्देश पर मदनूर मंडल के बड़ा शंकरगा गांव में सोमवार को इंदिरम्मा आवास निर्माण की आधारशिला रखी गई। शिलान्यास सरपंच विशालाक्षी राम पटेल ने किया।

इस अवसर पर सरपंच ने कहा कि कांग्रेस सरकार गांव–गांव में विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। सरकार द्वारा गरीब लाभार्थियों को इंदिरम्मा आवास के लिए आर्थिक सहायता दिए जाने से ग्रामीण आवास निर्माण के लिए आगे आ रहे हैं, जिससे उन्हें सीधा लाभ मिल रहा है।

हंडेकेलूर में अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग

मदनूर, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मदनूर मंडल के हंडेकेलूर गांव के ग्रामीणों ने सोमवार को तहसीलदार एम.डी. मुजीब को ज्ञापन सौंपकर गांव में हो रहे अवैध अतिक्रमणों को हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि कई लोगों ने ग्राम पंचायत की जमीन और नालियों पर कब्जा कर शौचालय व रसोई शेड का निर्माण कर लिया है। रामनगर कॉलोनी और बीसी कॉलोनी में सड़कों पर अवैध निर्माण से आवागमन बाधित हो रहा है। आरोप है कि पंचायत सचिव की मिलीभगत से अतिक्रमण हो रहे हैं। ग्रामीणों ने सर्वे कराकर अवैध निर्माणों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे तहसील कार्यालय के सामने भूख हड़ताल करेंगे। ज्ञापन की प्रतिलिपि एमपीडीओ, डीएलपीओ, आरडीओ और जिला कलेक्टर को भी भेजी गई है।

बुधवार को करें ये विशेष उपाय कई परेशानियां होंगी दूर

भगवान गणेश स्वयं रिद्धि-सिद्धि के दाता और शुभ-लाभ के प्रदाता हैं। वे भक्तों की बाधा, संकट, रोग-दोष तथा दरिद्रता को दूर करते हैं। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि श्री गणेश जी विशेष पूजा का दिन बुधवार है। बुधवार का दिन बुध देव को समर्पित है।

श्री गणेश को सभी दुखों का पालनहार माना जाता है। गणेश जी को भौतिक, दैहिक और अध्यात्मिक कामनाओं के सिद्धि के लिए सबसे पहले पूजा जाता है। इसके अलावा यदि इस दिन भगवान गणेश की भी पूजा की जाए तो अत्यंत लाभ की प्राप्ति होती है। प्रथम पूज्य गणेशजी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। बुधवार के दिन ये विशेष उपाय कर आप अपने जीवन में सकारात्मकता ला सकते हैं। गाय को पूजनीय और पवित्र माना गया है। बुधवार के दिन गाय माता को हरी घास खिलानी चाहिए। माना जाता है कि गौ माता की सेवा से सभी देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है। यदि कुंडली में बुध ग्रह के दोष हैं तो बुधवार के दिन श्री गणेश को मोदक का भोग लगाएं।

यदि आपकी कुंडली में बुध नीच स्थान में बैठा है और इस कारण आपको अनेक परेशानियों का सामना करना पड रहा है तो आप किसी ज्योतिष से डली का अध्ययन करवा कर छोटी अंगुली में पन्ना रत्न धारण करें। बुधवार के दिन गणेश जी को सिंदूर चढाने से लाभ होता है। मूंग, बुध ग्रह से संबंधित अनाज है। इसका दान करने से बुध ग्रह के दोष शांत होते हैं। अत: बुधवार के दिन किसी जरूरतमंद एवं गरीब व्यक्ति को मूंग का दान करें। इसके अलावा बुध ग्रह के कुप्रभाव को कम करने के लिए बुधवार की सुबह शौच-स्नानादि से पवित्र होकर गणेश जी के मंदिर जाकर दूर्वा चढाने से लाभ होगा। दूर्वा की 11 या 21 गांठ चढाएंगें तो जल्दी ही गणेश जी की कृपा होगी। भगवान श्री गणेश को सभी दुखों का पालनहार माना जाता है। हिंदू धर्म में प्रमुख पांच देवी-देवता यानी कि सूर्य, विष्णु, शिव,शक्ति और गणपति में भगवान गणेश की पूजा सबसे पहले की जाती है। क्योंकि गणेश जी को भौतिक, दैहिक और अध्यात्मिक कामनाओं के सिद्धि के लिए सबसे पहले पूजा जाता है। इसलिए इन्हें गणाध्यक्ष और मंगलमूर्ति कहा जाता हैं। इस दिन भगवान की पूजा सच्चें मन से करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। साथ ही अगर आपकी कुंडली में बुध ग्रह अशुभ स्थिति में है तो इस दिन पूजा करने से वह भी शांत हो जाता है। बुधवार को गणेश जी को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों से हर समस्या का निवारण हो जाएगा।

गणेश जी की प्रतिमा या तस्वीर जब घर लाएं तो सबसे पहले यह ध्यान रखें कि गणेश जी की सूंड बाएं हाथ की ओर घुमी हुई हो। ऐसी मान्यता है कि दाएं हाथ की ओर मुडी हुई सूंड वाली गणेश जी प्रतिमा की पूजा से मनोकामना सिद्ध होने में देर लगती है क्योंकि इस तरह की सूंड वाले गणेश जी देर से प्रसन्न होते हैं। गणेश जी प्रतिमा में यह भी ध्यान रखें कि गणेश जी सायुज और सवाहन हों। यानी गणेश जी के हाथों में उनका एक दंत, अंकुश और मोदक होना चाहिए। गणेश जी एक हाथ वरदान की मुद्रा में हो और साथ में उनका वाहन मूषक भी होना चाहिए। शास्त्रों में देवताओं का आवाहन इसी रुप में होता है।जो लोग संतान सुख की कामना रखते हैं उन्हें अपने घर में बाल गणेश की प्रतिमा या तस्वीर लानी चाहिए। नियमित इनकी पूजा से संतान के मामले में आने वाली विघ्न बाधाएं दूर होती है। घर में आनंद उत्साह और उन्नति के लिए नृत्य मुद्रा वाली गणेश जी की प्रतिमा लानी चाहिए। इस प्रतिमा की पूजा से छात्रों और कला जगत से जुडे लोगों को विशेष लाभ मिलता है। इससे घर में धन और आनंद की भी वृद्धि होती है। गणेश जी आसान पर विराजमान हों या लेटे हुए मुद्रा में हों तो ऐसी प्रतिमा को घर में लाना शुभ होता है। इससे घर में सुख और आनंद का स्थायित्व बना रहता है। सिंदूरी रंग वाले गणेश को समृद्धि दायक माना गया है, इसलिए इनकी पूजा गृहस्थों एवं व्यवसायियों के लिए शुभ माना गया है। वास्तु विज्ञान के अनुसार गणेश जी को घर के ब्रहम स्थान (केंद्र) में, पूर्व दिशा में एवं ईशान में विराजमान करना शुभ एवं मंगलकारी होता है।इस बात का ध्यान रखें कि घर में जहां भी गणेश जी को विराजमान कर रहे हों वहां कोई और गणेश जी की प्रतिमा नहीं हो। अगर आमने सामने गणेश जी प्रतिमा होगी तो यह मंगलकारी होने की बजाय आपके लिए नुकसानदेय हो जाएगी।

वास्तुशास्त्र

सुख शांति चाहते हैं तो घर में ऐसी सजावट न करें

वास्तु विज्ञान में जमीन की बनावट, घर की दिशा एवं घर में रखी चीजों का आंकलन किया जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार घर की जमीन, घर की दिशा, मुख्य द्वार एवं घर में रखी हुई चीजें भी व्यक्ति के जीवन पर प्रभाव डालती हैं। इसलिए घर में ऐसी चीजों को ही रखना चाहिए जिससे सकारात्मक प्रभाव प्राप्त हो। वास्तु विज्ञान में कहा गया है कि युद्ध से संबंधित चीजें जैसे, तलवार, बंदूक आदि नहीं रखना चाहिए। इससे क्रोध एवं आपस में द्वेष बढ़ता है।

बहुत से लोग घर में महाभारत की तस्वीर लगाते हैं। वास्तु विज्ञान के अनुसार यह भी घर की सुख-शांति में बाधक होता है। महाभारत एक पारिवारिक युद्ध था जो परिवार में संघर्ष की भावना को बढ़ाता है। इसलिए महाभारत की तस्वीर घर में नहीं रखनी चाहिए।

शिव की नटराज मूर्ति भी लोगों को काफी पसंद आता है। ड्राईंग रूम इसे लोग बड़े शौक से रखते हैं खास तौर पर कला से जुड़े लोगों इसे श्रद्धापूर्वक घर में रखते हैं। जबकि वास्तु के अनुसार शिव की नटराज मूर्ति विनाश का प्रतीक है क्योंकि जब शिव क्रोधित होते हैं तो नृत्य करते हैं। शिव के ताण्डव नृत्य से प्रलय मच जाता है। इसलिए घर में शिव की नृत्य मुद्रा वाली मूर्ति अथवा तस्वीर नहीं रखनी चाहिए। ?

अठारह पुराणों में गुरूड़ पुराण एक ऐसा पुराण है जिसमें प्रेत क्रिया। मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति और गति का वर्णन मिलता है। इस पुराण का पाठ किसी की मृत्यु के पश्चात आत्मा की शांति के लिए किया जाता है। इसलिए इसे घर में नहीं रखना चाहिए।

टाईटेनिक के पॉपुलर के होने के बाद से बहुत से लोग टाईटेनिक की तस्वीर घर में लगाने लगे हैं। वास्तु विज्ञान के अनुसार डूबते नाव की तस्वीर घर में नहीं होनी चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न होता है। इससे घर के सदस्यों के बीच आपसी तालमेल में कमी आती है।

ताजमहल की तस्वीर और शो पीस से घर को सजाना बहुत से लोगों को पसंद आता है। जबकि ताजमहल एक समाधि है जो मौत की निशानी और नकारात्मकता का प्रतीक है। इसे प्रेम का प्रतीक मानकर घर में नहीं रखना चाहिए। इससे पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ने की बजाय दूरी बढ़ने का ख्याल बार-बार आता है।

क्या करें कि हम अच्छी जिंदगी जी पाएं...

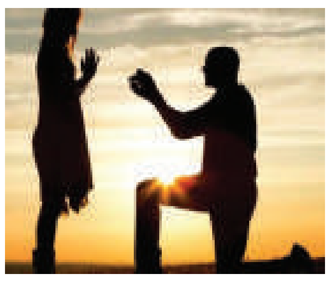

चित्त को शांत व स्थिर करने के लिए हमें सबसे पहले अपने रोजमर्रा के जीवन से तनाव निकाल फेंकना होगा। इसके लिए क्या-क्या करें हम।

आप भीड भरे ट्रैफिक में फंसे हुए हैं और आपका पारा धीरे-धीरे चढता जा रहा है। कोई आपसे गाडी आगे निकालने की कोशिश करता है और आप उबल पडते हैं। आप हॉर्न बजाते हैं, कोसते हैं, झुंझलाते हैं। इस तरह आप बडे बुरे मूड में ऑफिस काम पर पहुंचते हैं।

आप जरूरी कागज तलाशते हैं और वह आपको नहीं मिलता, आपकी डेस्क पर सारी चीजें अस्त- व्यस्त पडी होती हैं। आपकी मेल का इनबॉक्स भी बहुत बुरी हालत में है और आपको 25 मेल के उत्तर देने हैं। आप पहले ही कई असाइनमेंट और प्रोजेक्ट्स में देरी कर चुके हैं और बॉस आपसे खुश नहीं हैं। 11 बजने से पहले आपको बहुत जरूरी 3 काम पूरे करने थे और 12 बज चुके हैं।

रोजमर्रा के जीवन में ऐसे कई उदाहरण हो सकते हैं। यह तो सिर्फ एक बानगी है। आप समझ गए होंगे कि मैं क्या कहना चाहता हूं। हो सकता है कि आपका रोजमर्रा का जीवन इतना बुरा न हो, लेकिन इससे आपको उन बातों का पता तो चल ही गया होगा, जिनके कारण लोग तनावग्रस्त हो जाते हैं। यदि आप कोशिश करें, तो तनाव को दूर कर सकते हैं और अपने चित्त को स्थिर कर सकते हैं। तनाव की पहचान करना पहली और सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इससे दूर करने के उपाय की तलाश करना आसान हो जाएगा। स्वयं को दस मिनट दें और सोचें कि आज आप तनाव में क्यों रहे। सप्ताह में ऐसा कितनी बार होता है। टॉप 10 की एक लिस्ट बनाएं और देखें कि क्या आप उनमें कुछ परिवर्तन ला सकते हैं या नही। एक-एक करके उन्हें सुधारते जाएं। अनावश्यक संकल्पों को छोड दें। संकल्प पूरा करने का दबाव अच्छे परिणाम की अपेक्षा तनावग्रस्त करता है। उस संकल्प को पहले दूर करें, जो ज्यादा तनाव देता हो।

टालमटोल की प्रवृत्ति तो हर कीमत पर छोडने ही होगी। स्वयं को व्यवस्थित करना बेहद जरूरी है। अव्यवस्था से तनाव बढता है। शुरुआत अपनी टेबल और दराज से की जा सकती है। घर के किसी एक कोने से शुरुआत करें। सहज और सरल दिनचर्या कई समस्याओं को स्वयंमेव समाप्त कर देती है। जल्दी उठें। देर से उठना कई परेशानियों की जड है। जल्दी उठने और जल्दी सोने की आदत से ट्रैफिक और ड्राइविंग की समस्या के साथ-साथ और भी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं। एक छोटे-से अंतराल से बडा बदलाव आ सकता है।

सिर्फ दस मिनट का परिवर्तन लाकर देखें। आपको फर्क पता चल जाएगा। दूसरों को नियंत्रित न करें। याद रखें, हम सारी दुनिया के मालिक नहीं हैं। हम चीजों और लोगों को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं और इसमें सफल नहीं हो पाते। इससे तनाव बढता है।

स्वयं पर नियंत्रण रखा जा सकता है, लेकिन दूसरों पर नहीं। स्वयं पर काम थोपने की बजाय उसे दूसरों से भी कराया जा सकता है। दूसरों को अधीन रखने की अदम्य इच्छा को हमेशा के लिए त्याग दें। मुश्किल लोगों से दूर रहें। कभी-कभी कुलीग, कस्टमर, पडोसी आदि हमारी जिंदगी को मुश्किल बना देते हैं। उनसे लडने की बजाय उनकी बातों को निर्विकार भाव से सुनकर टालने में ही भलाई है। सबसे बडी बात तो ऊर्जा के क्षय को हमें रोकना चाहिए। रोजमर्रा के जीवन में इंसान कई ऐसे काम करता है, जिसमें सिर्फ ऊर्जा का क्षय होता है। जिस काम का कोई मतलब न हो जैसे कि क्रोध करना, दूसरों से ईर्ष्या करना आदि को पहचानें और उसे हटा दें। जिंदगी बेहतर जीने के लिए भरपूर ऊर्जा होना जरूरी है।

पुराणों में संस्मरण है कि एक बार मां पार्वती ने बडी उत्सुकता के साथ बाबा श्री विर्श्वनाथ देवाधिदेव महादेव से यह प्रश्न किया कि ऐसा क्यूं होता है कि आप अजर अमर हैं और मुझे हर जन्म के बाद नए स्वरुप में आकर फिर से वर्षो की कठोर तपस्या के बाद आपको प्राप्त करना होता है।

क्यों जो कोई भी इस अमर कथा को सुन लेता, वह अमर हो जाता है

जब मुझे आपको ही प्राप्त करना है तो फिर मेरी यह तपस्या क्यूं मेरी इतनी कठोर परीक्षा क्यूं और आपके अमर होने का कारण व रहस्य क्या है।

जब मुझे आपको ही प्राप्त करना है तो फिर मेरी यह तपस्या क्यूं। मेरी इतनी कठोर परीक्षा क्यूं। और आपके कंठ में पडी यह परमुण्ड माता तथा आपके अमर होने का कारण व रहस्य क्या है। महाकाल ने पहले तो माता को यह गूढ रहस्य बताना उचित नहीं समझा परन्तु माता की स्त्री हठ के आगे उनकी एक न चली। तब अन्त्वोगत्व्या महादेव शिव को मां पार्वती को अपनी साधना की अमर कथा, जिसे हम अमरत्व की कथा के रूप में जानते हैं, इसी परम पावन अमरनाथ की गुफा में कही। भगवान शंकर ने मां पार्वती जी से एकान्त व गुप्त स्थान पर अमर कथा सुनने को कहा, जिससे कि अमर कथा को कोई भी जीव, व्यक्ति और यहां तक कोई पशु-पक्षी न सुन लें, क्योंकि जो कोई भी इस अमर कथा को सुन लेता, वह अमर हो जाता। इस कारण शिव जी मां पार्वती को लेकर किसी गुप्त स्थान की ओर चल पडे। सबसे पहले भगवान भोले ने अपनी सवारी नंदी को पहलगाम पर छोड दिया, इसलिए बाबा अमरनाथ की यात्रा पहलगाम से शुरू करने का तात्पर्य या बोध होता है।

आगे चलने पर शिव जी ने अपनी जटाओं में चन्द्रमा को चंदनवाडी में अलग कर दिया और गंगा जी को पंचतरणी में और कंठाभूषण सर्पो को शेषनाग पर छोड दिया। इस प्रकार इस पडाव का नाम शेषनाग पडा। आगे की यात्रा में अगला पडाव गणेश टाप पडता है, इस स्थान पर बाबा ने अपने पुत्र गणेश को भी छोड दिया था, जिसको महागुणा का पर्वत भी कहा जाता है। पिस्सू घाटी में पिस्सू नामक कीडे को भी त्याग दिया। इस प्रकार महादेव ने अपने पीछे जीवनदायिनी पांचों तत्वों को भी अपने से अलग कर दिया। इसके साथ मां पार्वती संग एक गुप्त गुफा में प्रवेश कर गए। कोई व्यक्ति, पशु या पक्षी गुफा के अंदर प्रवेश कर अमर कथा को न सुने, इसलिए शिव जी ने अपने चमत्कार से गुफा के चारों ओर आग प्र'वलित कर दी। फिर शिव जी ने जीवन की अमर कथा मां पार्वती को सुनाना शुरू किया। कथा सुनते-सुनते देवी पार्वती को नींद आ गई और वह सो गई, जिसका शिव जी को पता नहीं चला। भगवान शिव अमर होने की कथा सुनाते रहे। इस समय दो सफेद कबूतर श्री शिव जी से कथा सुन रहे थे और बीच-बीच में गूं-गूं की आवाज निकाल रहे थे, शिव जी को लग रहा था कि मां पार्वती कथा सुन रही है और बीच-बीच में हुंकार भर रही हैं। इस तरह दोनों कबूतरों ने अमर होने की पूरी कथा सुन ली। कथा समाप्त होने पर शिव का ध्यान पार्वती मां की ओर गया जो सो रही थी। शिव जी ने सोचा कि अगर पार्वती सो रही है, तब इसे सुन कौन रहा था। तब महादेव की दृष्टि कबूतरों पर पडी। महादेव शिव कबूतरों पर क्रोधित हुए और उन्हें मारने के लिए तत्पर हुए। इस पर कबूतरों ने शिव जी से कहा कि हे प्रभु हमने आपसे अमर होने की कथा सुनी है, यदि आप हमें मार देंगे तो अमर होने की यह कथा झूठी हो जाएगी। इस पर शिव जी ने कबूतरों को जीवित छोड दिया और उन्हें आर्शीवाद दिया कि तुम सदैव इस स्थान पर शिव पार्वती के प्रतीक चिन्ह के रूप में निवास करोगे। अत: यह कबूतर का जोडा अजय अमर हो गया। माना जाता है कि आज भी इन दोनों कबूतरों का दर्शन भक्तों को यहां प्राप्त होता है। इस तरह से यह गुफा अमर कथा की साक्षी हो गई व इसका नाम अमरनाथ गुफा पडा। जहां गुफा के अंदर भगवान शंकर बर्फके निर्मित शिवलिंग के रूप में विराजमान है। पवित्र गुफा में मां पार्वती के अलावा गणेश के भी अलग से बर्फसे निर्मित प्रतिरूपों के दर्शन किए जा सकते हैं। इस पवित्र गुफा की खोज के बारे में पुराणों में भी एक कथा प्रचलित है कि एक बार एक गडरिये को एक साधू मिला, जिसने उस गडरिये को कोयले से भरी एक बोरी दी जिसे गडरिया अपने कंधे पर लाद कर अपने घर को चल दिया।

घर आकर उसने बोरी खोली तो वह आश्चर्यचकित हुआ क्योंकि कोयले की बोरी अब सोने के सिक्कों की हो चुकी थी। इसके बाद वह गडरिया साधू से मिलने व धन्यवाद देने के लिए उसी स्थान पर गया जहां पर साधू से मिला था।

सभी कष्ट दूर करे श्री हनुमान उपासना

भगवान रामभक्त हनुमान की उपासना से जीवन के सारे कष्ट, संकट मिट जाते हैं। माना जाता है कि हनुमान ऐसे देव हैं जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं।

जहां मंगलवार और शनिवार का दिन इनके पूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं वहीं हिन्दू पंचांग के अनुसार पौष कृष्ण अष्टमी को हनुमान पूजन विशेष मायने रखता है।

अगर आप अपनी परेशानियों से निजात पाना चाहते हैं तो आप निम्न मंत्र और उपाय आजमाएं।

शीघ्र ही आपके कष्ट दूर होकर आपको सुख की अनुभूति होगी।

- ऊं हं हनुमंतये नम: मंत्र का जप करें।
- ऊं हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट् का रुद्राक्ष की माला से जप करें।
- संकट कटै मिटै सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।
- राम-राम नाम मंत्र का 108 बार जप करें।
- हनुमान को नारियल, धूप, दीप, सिंदूर अर्पित ? करें।
- हनुमान अष्टमी के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- राम रक्षा स्त्रोत, बजरंगबाण, हनुमान अष्टक का पाठ करें।
- हनुमान आरती, हनुमत स्तवन, राम वन्दना, राम स्तुति, संकटमोचन हनुमानाष्टक का पाठ करें।
- परिवार सहित मंदिर में जाकर मंगलकारी सुंदरकांड पाठ करें।
- हनुमान को चमेली का तेल, सिंदूर का चोला चढ़ाएं।
- गुड-चने और आटे से निर्मित प्रसाद वितरित करें।

आषाढ मास क्यों है एक महत्वपूर्ण मास, इससे समस्त पाप हो जाते हैं नष्ट

इस माह का धार्मिक महात्म्य बहुत ही विशेष है। इस माह में किया गया दान-पुण्य मनुष्य के लिए पुण्य फलदायक रहता है। आषाढ मास एक महत्वपूर्ण मास हैं । आइए जानें, इसके बारे में खास जानकारियां । आषाढ मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी कहते हैं। इसके व्रत से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यह इस लोक में भोग और परलोक में मुक्ति देने वाली है। यह तीनों लोकों में प्रसिद्ध है। इस दिन लोग पूरे दिन का व्रत रखकर भगवान नारायण की मूर्ति को स्नान कराकर भोग लगाते हुए पुष्प, धूप, दीप से आरती करते हैं। गरीब ब्राहमणों को दान भी किया जाता है। इस एकादशी के बारे में मान्यता है कि मनुष्य के सब पाप नष्ट हो जाते हैं तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है । आषाढ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को 'गुरु पूर्णिमा' अथवा 'व्यास पूर्णिमा' कहते हैं। इस दिन लोग अपने गुरु के पास जाते हैं तथा उच्चासन पर बैठाकर माल्यापर्ण करते हैं तथा पुष्प ,फल, वस्त्र आदि गुरु को अर्पित करते हैं। यह गुरु - पूजन का दिन होता है जिसकी प्रथा प्राचीन काल से चली आ रही है।

आषाढ शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि को व्रत किया जाता है। यह एकादशी स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करने वाली एवं संपूर्ण पापों का हरण करने वाली है। इसी एकादशी से चातुर्मास्य व्रत भी प्रारंभ होता है। इसी दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में शेषनाग की शैय्या पर तब तक शयन करते हैं, जब तक कार्तिक शुक्ल मास की एकादशी नहीं आ जाती है। अत: आषाढ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक मनुष्य को भली भांति धर्म का आचरण भी अवश्य करना चाहिए। विष्णु एकादशी के दिन से देवी-देवता चार माह के लिए शयन करने चले जाएँगे। इसे चातुर्मास भी कहा जाता है। देवी-देवताओं के चार माह तक विश्राम में जाने की अवधि तक शास्त्रों के मुताबिक सभी मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। चार माह बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी को देवता शयन से उठेंगे, जिसे देवउठान एकादशी कहा जाता है। देवउठान एकादशी के बाद फिर से विवाह लग्न प्रारंभ हो जाएँगे।

मांगलिक कार्य रहेंगे वर्जित

हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र माह से प्रारंभ होने वाले वर्ष के चौथे माह यानी आषाढ मास को वर्षा ऋतु का महीना भी कहा जाता है। आषाढ को सबसे पवित्र महीना माना जाता है। ज्योतिषियों के अनुसार इन महीनों में शुभ विवाह के मांगलिक कार्य नहीं होंगे।

इस बार गुरु-शुक्र के उदय व अस्त होने से अच्छी बारिश होने के भी आसार हैं। कार्तिक शुक्ल एकादशी को देवता शयन से उठेंगे जिसे 'देवउठनी एकादशी' कहा जाता है। देवउठनी एकादशी के बाद फिर से विवाह लग्न प्रारंभ हो जाएंगे। आषाढ मास में भगवान विष्णु का प्रिय पुरुषोत्तम मास भी है अत: इस माह का धार्मिक महात्म्य बहुत ही विशेष है। इस माह में किया गया दान-पुण्य मनुष्य के लिए पुण्य फलदायक रहता है।

मां-बाप का गाना सुन कोमा से जागी 4 साल की बच्ची

ब्रिटेन में एक चार साल की बच्ची ने अपने माता पिता का गाना सुनकर मौत को भी मात दे दी और कोमा से बाहर आ गई। इस बच्ची का नाम है मिली मोरन। मिली मोरन को कई बीमारियों ने जन्म से ही घेर रखा है। मिली जब पैदा हुई थी तब से ही उसकी रीढ की हड्डी के बीच आठ सेंटीमीटर का गैप था। इसके साथ ही उसके पैंक्रियाज क्षतिग्रस्त थे। इसके अलावा भी उसको कई समस्याएं थी। मिली मोरन के अब तक 27 आपव्ह्रेशन हो चुके हैं। मिली मोरन को 22 दिसंबर 2014 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उसके चेस्ट इंफेक्शन था। क्रिसमस के दिन उसके लंग्स ने भी काम करना बंद कर दिया था जिससे वह कोमा में चली गई। चिकित्सकों ने हार मान ली लेकिन उसके माता पिता ने हार नहीं मानी। मोरन की मां एम्मा जेनी और पिता माइकल मोरेन पे मशीन के माइक्रोफोन पर डिज्नी का म्यूजिकल सॉन्ग गाया। वे फोजन सॉन्ग गाते रहे क्योंकि बच्ची को यह गाना बहुत पसंद था। यह गाना सुनकर मिली कोमा से बाहर आ गई।

त्वचा के लिए फायदेमंद है कोकोआ बटर

कोकोआ बटर को हम सभी सौंदर्य में निखार पाने के लिए अपनाते है। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, जिंक, आयरन पाया जाता है। साथ ही ये हमारे स्वास्थ्य लाभ के लिए भी फायदेमंद है। कोकोआ बटर को कोको बीन्स से प्राप्त किया जाता है। इसका रंग पीला होता है और इसे थियाब्रोंमा तेल के नाम ले जाना जाता है। इससे त्वचा सम्बंधी समस्याएं जैसे कि परतदार और फटी त्वचा की मरम्मत की जाती है।

हाथ ऊपर ले जाने पर हो दर्द तो हो सकता है रोटेटर कफ

कंधे से जुड़ी रोटेटर कफ की परेशानी ज्यादातर टेनिस, फुटबॉल प्लेयर, स्वीमर और पहलवानों को हो सकती है। गंभीर डायबिटीज के मरीजों में भी इसके मामले देखे जाते हैं। रोटेटर कफ कंधों के जॉइंट्स को हाथ से जोड़ने वाली चार मांसपेशियों (सुपरास्पिनेटस, इंफ्रास्पिनेटस, टेरेस माइनर और सब्सकैपुलरिस) के क्षतिग्रस्त होने पर होती है। जानें कारण व इलाज-

कारण- खेल के दौरान गोल करते हुए जोड़ों में खिंचाव, कंधे के बल गिरना, हाथ का गलत दिशा में मुड़ना, अधिक वजन उठाते समय कंधे पर दबाव मुख्य कारण हैं। इस दौरान अचानक खिंचाव से कंधे की मांसपेशियां क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। ऐसे व्यवसाय जिनमें कंधे के जोड़ों का अधिक प्रयोग हो जैसे पेंटर को भी यह समस्या होती है। डायबिटिज के मरीजों में अक्सर मांसपेशियों में सूजन या दर्द की समस्या रहती है। जिससे इनकी मसल्स में हल्का खिंचाव भी परेशानी को बढ़ाता है।

लक्षण- हाथ को ऊपर या पीछे लाने पर तेज दर्द, सूजन, सोते समय करवट लेने पर दर्द मुख्य लक्षण हैं। दिनचर्या से जुड़े काम जिसमें कंधे के जोड़ों का मूवमेंट जरूरी है, करते समय दर्द होना।

इलाज- पेन मैनेजमेंट दर्द व सूजन कम करने के लिए एंटीबायोटिक दवाएं या स्टेरॉयड इंजेक्शन देते हैं। यदि प्लेयर के पास इलाज के लिए 30 दिन से कम का समय है तो स्टेरॉयड इंजेक्शन के बजाय पेनकिलर देते हैं। ऐसे में इस इंजेक्शन से खिलाड़ी का डोपिंग टैस्ट पॉजिटिव आ सकता है।

सावधानी- कंधे से व्यायाम करते रहें खिलाड़ी या कंधे के जोड़ों का अधिक प्रयोग करने वाले लगातार काम न करें। कोशिश करें कि हर दो घंटे में 10-15 मिनट का ब्रेक लें। कंधे से जुड़े व्यायाम रेगुलर करें। स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज इस इंजरी में फायदेमंद है। अचानक दर्द होने पर कपड़े में बर्फ रखकर प्रभावित हिस्से की 10-15 मिनट तक सिंकाई करें।

सर्जरी- एंथ्रोस्कोपी कंधे के जोड़ों में पांच माह से लगातार दर्द हो तो क्षतिग्रस्त मसल्स व दर्द की स्थिति के अनुसार एंथ्रोस्कोपी करते हैं। जिसमें मसल्स के प्रभावित हिस्से को रिपेयर करते हैं। इसके बाद करीब 20-22 दिन मरीज को देखरेख में रखकर कुछ व्यायाम कराते हैं व दवाएं देते हैं।

टैस्ट- ज्यादातर मामलों का फिजिकल चेकअप कर लक्षणों के आधार पर इलाज करते हैं। इसके अलावा मस्क्युलर स्केलेटल अल्ट्रासाउंड और एमआरआई से क्षतिग्रस्त मांसपेशी का पता लगाते हैं।

एक्सरसाइज- दर्द कम होने के बाद मसल्स स्ट्रेचिंग व स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज कराते हैं। इंजरी से जो मांसपेशी जुड़ी हैं उसके अनुसार व्यायाम कराते हैं। इससे क्षतिग्रस्त मांसपेशी रिपेयर होती है।

कानों के लिए खतरा बन सकती है ईयर कैंडलिंग

कान की सफाई जरूरी होती है लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी ये बात है कि आप कैसे उसको साफ करते है। अक्सर घरों में सलाई में रूई लगाकर या हेयर पिन से कान साफ करते रहे है। ये ठीक नहीं है। इससेस कानों को नुकसान पंहुचता है। आजकल आज कल सैलून और ब्यूटी पार्लर मे ईयर कैंडलिंग का काफी चलन में है। इसका प्रयोग कान का मैल निकलाने के लिए किया जाता रहा है। प्राचीन ईजिप्ट में ईयर कैंडलिंग की प्रक्रिया बहुत पापुलर रही है। हालांकि इसे भी सुरक्षित नहीं माना जाता है।

क्या होती है ईयर कैंडलिंग

कानों की मैल को दूर करने के लिए ईयर कैंडलिंग का तरीका लंबे समय से अपनाया जा रहा है। इस नुस्खे के तहत टिशु से कान को कवर करके मोमबत्ती जलाई जाती है। इसमें मोमबत्ती का एक कोना कान के भीतर होता है और दूसरे पर चिंगारी रहती है। इसमें नीचे की तरफ भाप आती है जो सीधे कान में जाती है। जिससे कान का मैल गर्म होकर पिघल जाता है। यह उपाय वे लोग अकसर अपनाते हैं जिनके कान में खुजली या जलन रहती है।

ये होते हैं नुकसान

मोमबती के सिरे पर लगी आग की वजह से यह प्रक्रिया काफी खतरनाक साबित हो सकती है। कान में मोमबत्ती जलाकर मोम डालने से भी मैल नहीं निकलेगी। इससे कान जाम हो सकते हैं या फिर संक्रमण का खतरा रहता है। एफडीए इस मामले में चेतावनी देती है कि ऐसा करने से न केवल कान की नली बंद हो सकती है वरन कान का पर्दा भी फट सकता है। इससे त्वचा के अनय अंगों के जल जाने का खतरा भी रहता है। अगर कान की मैल को हटाना चाहते हैं तो गर्म पानी से ऊपर-ऊपर साफ करें और अपने कानों को शॉवर में कभी कभी रखें। इस तरीके से कान में जमा कड़ी से कड़ी मैल को गर्म किया जा सकता है और उसे ढीला बनाया जा सकता है। कान की मैल साफ करने की कोशिश अच्छी होने की बजाय बुरी साबित होती है। अगर मैल को निकालने के दौरान कान की नली में और गहरे धकेल दिया जाता है तो यह नुकसानदेह होती है।

स्टेम सेल जैल से जुड़ेंगी टूटी हड्डियां

स्टेम सेल तकनीक दुर्घटनावश अगर किसी की हड्डी टूट जाए, तो उसे जुड़ने में न सिर्फ काफी वक्त लगता है, बल्कि वह पहले जितनी मजबूत भी नहीं हो पाती हैं। लेकिन अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हड्डी में आयी दरार को भरने के लिए नया तरीका खोज निकाला है। वैज्ञानिकों ने स्टेम सेल से लैस एक ऐसा जैल बनाया है, जो हड्डी में आई दरार को भरने में सक्षम होगा।

वैज्ञानिकों के मुताबिक जैल में मौजूद स्टेम कोशिकाओं की सतह पर बेहद सूक्ष्म चुंबकीय कण जोड़े गए हैं। इंजेक्शन के जरिए जब इस जैल को हड्डी में पहुंचाया जाता है। इसके बाद उसके ऊपर चुंबकीय गुणों से लैस पट्टी बांध दी जाती है। पट्टी के बांधने के साथ ही चुंबकीय कण सक्रिय हो जाते हैं। और हड्डियों में आई दरार को भरने में स्टेम सेल मदद करते हैं। यह परिस्थिति बहुत हद तक वैसी ही होती है, जैसी बच्चों में कार्टिलेज और हड्डियों के विकास के दौरान देखी जाती है। शोधकर्ताओं ने परीक्षण के स्तर पर इस जैल के खरा उतरने का दावा किया है। उनकी मानें तो इसकी मदद से चूहे और मुर्गियों की टूटी हड्डियों को जोड़ने में सफलता हाथ लगी है। अब हम साल के अंत तक इनसानी हड्डियों पर इसका असर आंकने की तैयारी कर रहे हैं। हज के अनुसार हड्डियों को जोड़ने के लिए जब प्लास्टर चढ़ाया जाता है तो शरीर में सबसे पहले एक कार्टिलेज बनता है। यह एक ढांचे की तरह काम करता है, जिसके इर्दगिर्द हड्डी विकसित होती है। व्यक्ति जितना व्यायाम करेगा हड्डी उतनी ही मजबूत बनेगी। हालांकि आमतौर पर ऐसा नहीं हो पाता। हड्डी टूटने पर मरीज को असहयनीय दर्द होता है। हमने इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए स्टेम सेल से भरपूर जैल बनाया है। इसका इंजेक्शन लगाने पर मरीज को बिस्तर से उठने की जरूरत तक नहीं पड़ेगी और उसकी टूटी हड्डी न सिर्फ जुड़ेगी, बल्कि उसका घनत्व भी अधिक होगा।

सेहत पर कैसे भारी पड़ सकता है पापड़ खाना

हम अक्सर होली पर अपने घरों की छतों पर आलू या साबूदाने के पापड़ सुखाया करते थे। पर जब से बाजार में पापड़ मिलने शुरु हो गए हैं, हमने अब घर पर पापड़ बनाना बंद कर दिए हैं।

आज कल आपको बाजार में तरह तरह के स्वाद और रंग वाले पापड़ और चिप्स बिकते हुए दिख जाएंगे। अक्सर लोग अपने भोजन के साथ साथ एक रोस्टेड पापड़ या फिर फ्राई किया हुआ पापड़ खाना पसंद करते हैं, जो सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है।

यहां तक कि कॉकटेल स्नैक के तौर पर भी मसालेदार पापड़ ही सर्व किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पापड़ हमारी सेहत के लिए कितने खराब हैं, आइए जानते हैं...

पापड़ बढ़ा सकता है मोटापा

दो पापड़ एक रोटी के समान होता है। अगर आप कैलारी नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो पापड़ खाने की गलती कभी ना करें। 13 ग्राम पापड़ में 35-40 कैलोरी, सोडियम- 226 एमजी और कार्बोहाइड्रेट 7.8 ग्राम पाया जाता है।

प्रीज़र्वटिव का होता है प्रयोग

पापड़ को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए पापड़ बनाने वाली फैक्टीरियां उसमें प्रीज़र्वटिव आदि मिलाती हैं। साथ ही इसमें नमक के साथ साजी नामक सोडियम साल्ट मिलाया जाता है, जिससे इसका स्वाद तो बढ़ता है। यह साल्ट हार्ट और किडनी की बीमारी के साथ हाई बीपी भी पैदा कर सकता है।

एसिडिटी की समस्या

दुकान से खरीदे हुए पापड़ों में अक्सर आर्टिफीशियल फ्लेवर और मसाले मिलाए जाते हैं जो कि पेट के लिये खराब तो होते ही हैं साथ में ज्यादा खाने पर एसिडिटी भी हो जाती है।

फ्राई किए पापड़ और भी घातक

फ्राई किए पापड़ों में तेल और फैट दोनों ही हाई होते हैं। रिसर्च के अनुसार पाया गया है कि फ्राई और आग पर भुने हुए पापड़ में एक्रिलामाइड जो एक टॉक्सिन है, उसकी मात्रा बढ़ जाती है, इसे कार्सीनोजिन भी कहते। इससे आपको बेचैनी, घबराहट और मूड सविंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मगर माइक्रोवेव में पकाए पापड़ आपकी सेहत को कभी नुकसान नहीं पहुंचा सकते।

पापड़ बनाने की प्रक्रिया

पापड़ बनाई जाने वाली फैक्ट्रियां कभी साफ नहीं होती। इन्हें हाथों से बनाया जाता है और फिर इन्हें सुखाने के लिए धूप में खुले स्थान पर रखा जाता है, जहां इनमें धूल मिट्टी पड़ती रहती है।

जूतों की शॉपिंग ऐसी हो कि आपको देखकर सब हो जाएं हैरान

फुटवियर्स से आउटफिट बनाएं ग्लैमरस

महिलाओं की पसंदीदा एक्सेसरीज में से एक हैं उनके फुटवियर्स। ड्रेस चाहे कितनी भी खूबसूरत क्यों न हो, सही फुटवियर के बिना अधूरी रह जाती है। अब इसका यह मतलब भी नहीं है कि आप ढेरों जूते खरीद कर घर ले आएं। हम आपको जूतों की शॉपिंग के लिए ऐसे टिप्स देंगे कि आपकी वार्डरोब देखकर आपकी सहेलियां भी आपसे ईर्ष्या करने लगें। ये वो पेयर्स हैं जो आपकी हर आउटफिट की अपीयरेंस और भी ग्लैमरस बना देंगे।

ईवनिंग पार्टी के लिए क्लासी ब्लैक

ईवनिंग पार्टी और आम मौकों पर पहनने के लिए हर लड़की के पास क्लासी ब्लैक पम्पस का एक पेयर जरूर होना चाहिए। इसे आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। दोस्तों के साथ आउटिंग पर जा रही हैं, तो भी ये फुटवियर बढ़िया च्वाइस रहेगी। ये शूज फॉर्मल हैं, लेकिन ईवनिंग वियर के साथ बेहतरीन लुक देंगे। हल्की हील वाले ये शूज़ काफी आरामदायक होते हैं और पैरों को आराम भी देते हैं। इन्हें पहन कर चलना आसान रहता है। आजकल ट्रैंडी फुटवियर में कोल्हापुरी चप्पलें और मोजरी का फैशन इन है।

बैली निखारेगी पर्सनैलिटी, पैरों के लिए आरामदायक

अगर आप फुटवियर्स के मामले में ज्यादा झमेले में नहीं पड़ना चाहतीं और बहुत सिंपल शूज़ चाहती हैं लेकिन साथ ही एलिगेंट लुक भी चाहती हैं तो बैली आपकी सभी अजमाइशों पर खरी उतरती है। ये आपकी पर्सनैलिटी को भी निखारेगी। आप इन्हें सारा दिन पहन सकती हैं, इसके बावजूद आपके पैरों में दर्द नहीं होगा क्योंकि ये बेहद आरामदेय होती हैं। आप इन्हें फॉर्मल आउटफिट के साथ पहन सकती हैं और अगर चाहें तो फ्रॉक के साथ भी कैरी कर सकती हैं।

स्ट्रैपी सैंडल्स से मिलेगा बोल्ड लुक

अगर आप सोशल हैं तो बहुत सारे विशेष अवसरों पर आपको जाना पड़ता है, ऐसे में आप अपना फैशन दिखा सकती हैं। फंक्शंस में थोड़ी-सी एक्सट्रा ब्लिंग की जरूरत होती है। ग्लैम लुक के लिए गोल्ड या सिल्वर में स्ट्रैपी सैंडल्स ट्राई करें। इस पर बड़े बोल्ड स्टोंस लगे हो सकते हैं। मोती भी इनकी चमक को और बढ़ाएंगे और आपको सैक्सी व बोल्ड लुक देंगे। अगर आपको एथनिक वियर्स ज्यादा पसंद हैं या जींस और स्कर्ट पहनना आपको ज्यादा भाता है तो बेसिक कलर्स जैसे बेज, ब्लैक या कैमल ट्राई करने चाहिए। ये भारतीय परिधानों और लॉन्ग स्कर्ट्स के साथ सुंदर दिखते हैं। न्यूट्रल कलर्स से आप अधिकतर आउटफिट्स के साथ पेयर कर सकती हैं।

फेस्टिवल कलेक्शन 2026 का किया भव्य शुभारंभ

आरआर ज्वेलर्स ने अपनी 16वीं वर्षगांठ के अवसर पर बहुप्रतीक्षित '2026 फेस्टिवल कलेक्शन' का अनावरण कर एक नया मील का पत्थर हासिल किया। वर्ष 2007 में श्रीमती राधा घंटासाला द्वारा कोंडापुर स्थित अपने घर से शुरू किया गया यह ब्रांड आज उत्कृष्ट कारी-गरी, नवाचार और अटूट ग्राहक विश्वास के बल पर एक प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड बन चुका है। नया फेस्टिवल कलेक्शन 2026 सोने, हीरे और कीमती रत्नों से बने आभूषणों की एक बेहतरीन रेंज पेश करता है, जो भारतीय त्योहारों की भव्यता को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह कलेक्शन पारंपरिक कलात्मकता और आधुनिक डिज़ाइनों का एक अनोखा संगम है। आरआर ज्वेलर्स की मुख्य पहचान हल्के वजन और किफायती सोने के आभूषण तैयार करना रही है। ब्रांड ग्राहकों को नकली आभूषणों के बजाय असली सोने में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अपनी 16 वर्षों की यात्रा में ठ.ठ. ज्वेलर्स 1.25 लाख से अधिक आभूषणों को रीडिज़ाइन कर चुका है और 25 से अधिक देशों में 80,000 से अधिक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान कर चुका है। ग्राहकों को नए डिज़ाइनों से जोड़े रखने के लिए ब्रांड हर तीन सप्ताह में नया कलेक्शन लॉन्च करता है।

रेसिपी

पालक कॉर्न सब्जी

सामग्री

3/4 कप पालक की प्युरी, 1/2 कप हल्की उबाली और कटी हुई पालक, 1 कप उबले हुए मीठी मकई के दाने, 1/2 टेबल-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून जीरा, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसून, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून ताजा क्रीम, 1/4 टी-स्पून गरम मसाला, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में घी गरम करिए और उसमे जीरा डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे लहसून, लाल मिर्च का पाउडर और अदरक डालिए और मध्यम आंच पर 1 मिनट भूनिए। उसमे पालक की प्युरी, पालक, कॉर्न, नमक, 1/4 कप पानी, ताजी क्रीम, गरम मसाला और लाल मिर्च का पाउडर डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट बीच-बीच में हिलाते हुए, पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

लज़ानीया

सामग्री

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिए: 1/2 कप लाल शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप हरी शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप बीज निकाले हुए टमाटर के टुकड़े, 1 स्पून जैतून का तेल, 2 स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 स्पून सूखा ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, **अन्य सामग्री:** 1 1/2 कप व्हाईट सॉस, 1 कप पिज़्ज़ा सॉस, 4 हुए लजानीया शीट, 1/4 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज

विधि

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक भूनें। लाल और हरी शिमला मिर्च के टुकड़े और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। टमाटर, ऑरेगानो, लाल मिर्च के फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी:** रोस्टड वेजिटेबल्स् और व्हाईट सॉस को एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रख दें। बेकिंग डिश के बेस पर 1/2 कप पिज़्ज़ा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और सॉस के उपर समान अंतर पर 2 लज़ानीया शीट रखें। व्हाईट सॉस-रोस्टड वेजिटेबल्स् के मिश्रण को डालकर फैला लें और इसके उपर 1/4 कप पिज़्ज़ा सॉस फैलाकर उपर और 2 लज़ानीया शीट्स रखें। बचा हुआ 1/4 कप पिज़्ज़ा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और ऊपर अच्छी तरह से चीज़ छिड़के। पहले से गरम अवन में लज़ानीया को 200°c (400°f) के तापमान पर 8 मिनट के लिए बेक करें या माईक्रोवेव में उच्च पर 2 मिनट के लिए पका लें। गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

निजी क्षेत्र में व्यवस्था परिवर्तन

हिमाचल में व्यवस्था परिवर्तन के सारे कार्यों का निष्पादन सरकारी नजरिए और सरकार के बंदोबस्त से होता है, जबकि निजी क्षेत्र अपनी हुकूमत की छूट में मौज-मस्ती कर रहा है। निजी क्षेत्र में व्यवस्था की अपरिवर्तनीय ताकत का इजहार सरकारी व्यवस्था परिवर्तन के दावों को क्षीण कर रहा है। यही कारण है कि प्रदेश में कुछ क्षेत्रों में प्रबंधन अब माफिया के हाथ में चला गया। आप अपने लिए दस मरला जमीन नहीं खरीद सकते, लेकिन तहसीलों में शाम के वक्त सौदेबाजी व सौदागरों की सफलता की कुंजी और संस्कृति अपनी दक्षता के साथ खुल रही है। खेत बिक रहे हैं, पहाड़ों की कंदराएं बिक रही हैं और इसीलिए कई बागीचे भी बिक गए। हमारी सार्वजनिक बस सेवा यानी एचआरटीसी घाटे में बिखर रही है, लेकिन निजी बस सेवाएं सवारी देखकर सफर कर रही हैं। हिमाचल में नई सरकारी वोल्वो बसों की कतार भी असफल हो गई, लेकिन निजी वोल्वो अब गैंग की तरह सवारियां लूट रही हैं। यह कौनसा व्यवस्था परिवर्तन जो सरकारी ढांचे को कंगाल और निजी को मालामाल कर रहा है। हिमुडा के दावे कुछ भी कहें, लेकिन सत्य यह है कि दो दशक पूर्व एक सर्वेक्षण में जो 75 हजार के करीब आवासीय खरीद को आए लोग, आज भी इस मांग का हल होता हुआ नहीं देख पाए, लेकिन रेरा के सामने नए प्राइवेट फ्लैट्स की प्रदर्शनी लगी है। आश्चर्य यह कि सरकारी चिकित्सा संस्थानों के सस्ते टेस्ट होते हुए भी नहीं हो पाते, लेकिन निजी क्षेत्र के फैलते जाल में महंगे टेस्ट एक बड़ा माफिया बन के उभरा है। बेशक मुख्यमंत्री ने हिदायत दी है कि सभी टेस्ट तुरंत किए जाएं, लेकिन सरकारी अधोसंरचना, मशीनरी या उपकरण में व्यवस्था परिवर्तन का सिक्का कभी जमने ही नहीं दिया जाता। मरीज सीढ़ियों पर जबकि लिफ्ट को सदा खराब होना आ गया है। अस्पतालों में अगर उपकरणों के विस्तार लगा दिए जाएं, तो यह भी एक रिकार्ड होगा। हिमाचल में भले ही पर्यटन पर सरकारों ने काफी कुछ किया, लेकिन सरकारी होटल हमेशा बिकने को तैयार रहते हैं, तो व्यवस्था परिवर्तन का हिसाब क्यों न लगाया जाए। इससे भी बुरे हाल टैक्सी आपरेशन में है। पहाड़ की भौगोलिक परिस्थिति इतनी भी खराब नहीं कि सरेआम गुंडागर्दी हो जाए। दिल्ली जैसे बड़े शहरों में ओला-उबर की टैक्सियों का संचालन सस्ते से बीस किलोमीटर तक मात्र दो सौ रुपए में हो जाता है, लेकिन धर्मशाला से कांगड़ा तक 18 किलोमीटर तक की टैक्सी हजार रुपए की मांग करती है। अगर ओला-उबर नहीं तो सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसिडी पर यह शर्त लगा कर टैक्सी आपरेशन दुरुस्त करे। दिल्ली एनसीआर में 'विन्स फास्ट' व कुछ अन्य वाहन कंपनियां समझौते के तहत इलेक्ट्रिक टैक्सियां प्रोमोट कर रहे हैं, तो हिमाचल सरकार को मनाली, धर्मशाला, शिमला, कसौली, डलहौजी व कुछ अन्य महत्वपूर्ण पर्यटक शहरों पर एक स्वतंत्र ऐप के जरिए कम दरों पर इलेक्ट्रिक टैक्सियों की व्यवस्था में परिवर्तन करके निजी क्षेत्र को राह दिखानी चाहिए। हिमाचल में पर्यटकों, आम नागरिकों, प्रदेश के उपभोक्ताओं को माफिया चंगुल से बचाने के लिए निजी क्षेत्र में भी व्यवस्था परिवर्तन के सख्त प्रयोग करने होंगे। सामाजिक पृष्ठभूमि में कई तरह के भंडार, आयोजन, सांस्कृतिक समारोहों तथा स्थानीय मेलों के लिए व्यवस्था परिवर्तन चाहिए। सड़कों पर वाहन पार्क करने वाले, सरकारी कर्मचारी-अधिकारियों की तनख्वाह से बढ़ रही निजी किराया संपत्ति पर भी कुछ व्यवस्था और कुछ परिवर्तन की जरूरत महसूस होती है।

निजी क्षेत्र में व्यवस्था की अपरिवर्तनीय ताकत का इजहार सरकारी व्यवस्था परिवर्तन के दावों को क्षीण कर रहा है। यही कारण है कि प्रदेश में कुछ क्षेत्रों में प्रबंधन अब माफिया के हाथ में चला गया। आप अपने लिए दस मरला जमीन नहीं खरीद सकते, लेकिन तहसीलों में शाम के वक्त सौदेबाजी व सौदागरों की सफलता की कुंजी और संस्कृति अपनी दक्षता के साथ खुल रही है। खेत बिक रहे हैं, पहाड़ों की कंदराएं बिक रही हैं और इसीलिए कई बागीचे भी बिक गए। हमारी सार्वजनिक बस सेवा यानी एचआरटीसी घाटे में बिखर रही है, लेकिन निजी बस सेवाएं सवारी देखकर सफर कर रही हैं। हिमाचल में नई सरकारी वोल्वो बसों की कतार भी असफल हो गई, लेकिन निजी वोल्वो अब गैंग की तरह सवारियां लूट रही हैं। यह कौनसा व्यवस्था परिवर्तन जो सरकारी ढांचे को कंगाल और निजी को मालामाल कर रहा है। हिमुडा के दावे कुछ भी कहें, लेकिन सत्य यह है कि दो दशक पूर्व एक सर्वेक्षण में जो 75 हजार के करीब आवासीय खरीद को आए लोग, आज भी इस मांग का हल होता हुआ नहीं देख पाए, लेकिन रेरा के सामने नए प्राइवेट फ्लैट्स की प्रदर्शनी लगी है। आश्चर्य यह कि सरकारी चिकित्सा संस्थानों के सस्ते टेस्ट होते हुए भी नहीं हो पाते, लेकिन निजी क्षेत्र के फैलते जाल में महंगे टेस्ट एक बड़ा माफिया बन के उभरा है। बेशक मुख्यमंत्री ने हिदायत दी है कि सभी टेस्ट तुरंत किए जाएं, लेकिन सरकारी अधोसंरचना, मशीनरी या उपकरण में व्यवस्था परिवर्तन का सिक्का कभी जमने ही नहीं दिया जाता।

कुछ अलग

आपरेशन से ट्रांसफर आर्डर

सरकारी अस्पताल के आपरेशन थियेटर में बेहोश होना सबसे कठिन प्रक्रिया है, फिर भी वह पूरी व्यवस्था देखकर बेहोश हो चुका था। इससे पहले कि सर्जन आपरेशन शुरू करता, उसके ट्रांसफर आर्डर आ गए। गंतव्य मनपसंद था, इसलिए मरीज को छोड़ वह वहां पहुंच कर खुद को दर्ज करने की कार्रवाई में मशगूल हो गया। पहली बार सर्जरी विभाग का सहयोगी स्टाफ इस कोशिश में लग गया कि बिना आपरेशन मरीज होश में आ जाए। मरीज कहां मर्जी से बेहोश होते हैं, इसलिए होश में आना उससे भी कठिन हो रहा था। अब यह अस्पताल की साख का सवाल था, इसलिए नाक बचाने के लिए प्रार्थना तक हो रही थी। इधर अस्पताल के एसएमओ को दोहरी चिंता थी। वह पल में मरीज को होश में लाने की सोचते, तो दूसरे ही पल यह साबित भी कर रहे थे कि आपरेशन का आंकड़ा कहीं हाथ से फिसल न जाए। जाने वाला सर्जन जा चुका था, आने वाले का कोई पता नहीं था, बल्कि यह पता नहीं था कि अब सीनियर मेडिकल आफिसर भी रुक पाएगा या नहीं। सरकारी संस्थानों में कब कौन स्थायी हुआ, इसलिए ट्रांसफर के बावजूद रुके रहना या मनपसंद जगह पर चले जाना, एक आर्ट है। जो लोग ट्रांसफर के खेल में चल जाते, वही सफल कर्मचारी या अधिकारी माने जाते हैं। अस्पताल में जो भी व्यवस्था थी, ट्रांसफर के भय से आतंकित थी। ट्रांसफर न हो, इसलिए कुछ लोग काम कर रहे थे। जो जानते थे कि ट्रांसफर उनकी मुट्ठी में बंद है, वे सर्जन की ट्रांसफर पर बहस कर रहे थे। किसी ने कहा, 'मरीज को बेहोश करना काम आता, सर्जन आपरेशन के बाद चला जाता, तो कौनसा अपमान हो जाता।'

केंद्र धीरे-धीरे बदलकर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, वैचारिक ध्रुवीकरण और सत्ता संघर्ष में परिवर्तित हो जाता है

नीट से शुरू, राजनीति पर खत्म!

नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं ने पूरे देश को झकझोर दिया। लाखों विद्यार्थियों ने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया, परिवारों ने अपनी आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक खर्च कर बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया, लेकिन जब परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे तो स्वाभाविक रूप से छात्रों और अभिभावकों का विश्वास डगमगाया। ऐसी स्थिति में सरकार से जवाब मांगना, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की अपेक्षा करना और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग करना पूरी तरह उचित है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली जिम्मेदारी यही होती है कि वह नागरिकों, विशेषकर युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करे। यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी पेपर लीक की घटना को केवल एक प्रशासनिक चूक कहकर टाला नहीं जा सकता। यह केवल प्रश्नपत्र की चोरी नहीं, बल्कि लाखों सपनों के साथ विश्वासघात है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यहाँ जनता को सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है। यही अधिकार लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखता है। जब किसी सरकारी व्यवस्था में कमी दिखाई देती है, जब किसी परीक्षा में गड़बड़ी होती है, जब युवाओं के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग जाता है, तब विरोध केवल स्वाभाविक ही नहीं बल्कि आवश्यक भी होता है। किंतु लोकतंत्र की यही शक्ति तब कमजोर पड़ने लगती है जब किसी वास्तविक मुद्दे का केंद्र धीरे-धीरे बदलकर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, वैचारिक ध्रुवीकरण और सत्ता संघर्ष में परिवर्तित हो जाता है। तब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक लाभ-हानि का गणित आगे आ जाता है। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं ने पूरे देश को झकझोर दिया। लाखों विद्यार्थियों ने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया, परिवारों ने अपनी आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक खर्च कर बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया, लेकिन जब परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे तो स्वाभाविक रूप से छात्रों और अभिभावकों का विश्वास डगमगाया। ऐसी स्थिति में सरकार से जवाब मांगना, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की अपेक्षा करना और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग करना पूरी तरह उचित है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली जिम्मेदारी यही होती है कि वह नागरिकों, विशेषकर युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करे। यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी पेपर लीक की घटना को केवल एक प्रशासनिक चूक कहकर टाला नहीं जा सकता। यह केवल प्रश्नपत्र की चोरी नहीं, बल्कि लाखों सपनों के साथ विश्वासघात है। ऐसे अपराधों में शामिल व्यक्तियों, गिरोहों अथवा अधिकारियों की निष्पक्ष जांच और शीघ्र दंड आवश्यक है। यदि व्यवस्था में कमियाँ हैं तो उन्हें दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना, डिजिटल निगरानी बढ़ाना, उत्तरदायित्व तय करना और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का एक दूसरा पक्ष भी सामने आया। जैसे-जैसे विरोध प्रदर्शन बढ़े, अनेक स्थानों पर मूल मुद्दे की जगह राजनीतिक विमर्श ने ले ली। विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और वैचारिक समूहों ने इस विषय को अपने-अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना शुरू किया। छात्रहित का प्रश्न धीरे-धीरे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बन गया। कुछ मंचों पर सरकार की नीतियों की आलोचना हुई, तो कहीं पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न लगाए गए। कहीं-कहीं भाषा की मर्यादा भी टूटती दिखाई दी। ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या आंदोलन का लक्ष्य छात्रों को न्याय दिलाना था या राजनीतिक लाभ अर्जित करना? लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विपक्ष सरकार से प्रश्न पूछता है, नीतियों की समीक्षा करता है और जनता की आवाज़ को

संसद तथा सड़कों तक पहुँचाता है। इसी प्रकार सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी केवल अपनी उपलब्धियाँ गिनाना नहीं, बल्कि जनता की शंकाओं का उत्तर देना भी है। लोकतंत्र तब स्वस्थ रहता है जब दोनों पक्ष अपनी संवैधानिक भूमिका का सम्मान करें। किंतु यदि हर मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ और हानि के तराजू पर तौला जाने लगे तो सबसे अधिक नुकसान आम नागरिक का होता है। भारत का लोकतंत्र अनेक कठिन दौरों से गुजरा है। स्वतंत्रता के बाद देश ने राजनीतिक अस्थिरता भी देखी और आपातकाल जैसा दौर भी, जब नागरिक स्वतंत्रताओं पर व्यापक प्रतिबंध लगे। उसी इतिहास ने यह भी सिखाया कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान नहीं करता, बल्कि जागरूक नागरिक भी करते हैं। आज परिस्थितियाँ भिन्न हैं। सोशल मीडिया ने प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने का मंच दिया है। सरकारों की आलोचना पहले से कहीं अधिक खुलकर होती है। यह लोकतंत्र की शक्ति का परिचायक है। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अभद्रता में अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। असहमति लोकतांत्रिक अधिकार है, किन्तु व्यक्तिगत अपमान, घृणा और दुष्प्रचार किसी भी स्वस्थ समाज को कमजोर करते हैं। आज सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल बनाया है, उतना ही जटिल भी। अपुष्ट सूचनाएँ, आधे-अधूरे वीडियो, भावनात्मक पोस्ट और राजनीतिक प्रचार कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुँच जाते हैं। परिणामस्वरूप कई बार वास्तविक मुद्दा तथ्यों से अधिक भावनाओं के आधार पर तय होने लगता है। नीट विवाद के दौरान भी अनेक प्रकार की सूचनाएँ और दावे सामने आए। ऐसे समय में नागरिकों, मीडिया और राजनीतिक दलों—सभी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे केवल सत्यापित तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर देश में अलग-अलग मत हैं। उनके समर्थक बुनियादी ढाँचे के विस्तार, डिजिटल शासन, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका और कई कल्याणकारी योजनाओं को उनकी उपलब्धियाँ मानते हैं। वहीं उनके आलोचक बेरोज़गारी, महँगाई, सामाजिक तनाव और कुछ प्रशासनिक निर्णयों पर गंभीर प्रश्न उठाते हैं। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि दोनों पक्षों को अपनी बात रखने का अधिकार मिले। किसी भी नेता का मूल्यांकन केवल लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके निर्णयों, परिणामों और जवाबदेही से होना चाहिए। यह भी ध्यान रखना होगा कि चुनाव लोकतंत्र का अंतिम नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण चरण हैं। जनता अपने विवेक से उपलब्ध विकल्पों में से किसी एक को चुनती है। इसका अर्थ यह नहीं कि चुनी हुई सरकार आलोचना से ऊपर हो जाती है। उसी प्रकार यह भी उचित नहीं कि प्रत्येक सरकारी निर्णय को बिना तथ्यों के नकार दिया जाए। लोकतंत्र का संतुलन इसी में है कि उपलब्धियों को स्वीकार किया जाए और कमियों पर स्पष्ट प्रश्न भी उठाए जाएँ। नीट विवाद ने शिक्षा व्यवस्था की एक गहरी समस्या को उजागर किया है। भारत में प्रतियोगी परीक्षाएँ केवल परीक्षा नहीं रह गईं, बल्कि करोड़ों परिवारों की सामाजिक और आर्थिक आकांक्षाओं का आधार बन चुकी हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की अनियमितता केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का संकट बन जाती है। इसलिए आवश्यक है कि परीक्षा प्रणाली को राजनीतिक बहस का स्थायी विषय बनाने के बजाय संस्थागत सुधार का अवसर बनाया जाए। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना चाहिए। यदि किसी छात्र आंदोलन का नेतृत्व राजनीतिक मंचों के माध्यम से होगा तो जनता स्वाभाविक रूप से उसकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाएगी। इसी प्रकार यदि सरकार केवल विपक्ष की आलोचना को राजनीति कहकर टाल देगी तो जनता का विश्वास भी कम होगा। समाधान टकराव में नहीं, बल्कि संवाद में है। लोकतंत्र में संवाद ही वह माध्यम है जिसके द्वारा असहमति को भी सकारात्मक दिशा दी जा सकती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह किसी भी आंदोलन का समर्थन या विरोध तथ्यों के आधार पर करे। किसी भी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के विरुद्ध घृणा फैलाना किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन की भावना के विपरीत है। यदि किसी वास्तविक मुद्दे को सामाजिक विभाजन का माध्यम बनाया जाता है तो अंततः उसका सबसे बड़ा नुकसान उसी उद्देश्य को होता है जिसके लिए आंदोलन प्रारंभ किया गया था। आज आवश्यकता केवल दोष तय करने की नहीं, बल्कि भविष्य सुरक्षित करने की है। परीक्षा प्रणाली में आधुनिक तकनीक का उपयोग, प्रश्नपत्र सुरक्षा के बेहतर मानक, पारदर्शी जांच, समयबद्ध न्याय, दोषियों के विरुद्ध कठोर दंड तथा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रभावी सहायता व्यवस्था—ये सभी सुधार समय की मांग हैं। यदि इन पर गंभीरता से अमल होता है तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल सत्ता परिवर्तन से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक कसौटी यह है कि नागरिकों का विश्वास संस्थाओं में कितना बना हुआ है। सरकार की जवाबदेही जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण जनता की जिम्मेदारी भी है। विरोध आवश्यक है, लेकिन विरोध का उद्देश्य समाधान होना चाहिए, अराजकता नहीं।

देश दुनिया से

शिक्षा, आंदोलन और मर्यादा

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह नागरिकों को अपनी बात कहने, प्रश्न पूछने और व्यवस्था से जवाब मांगने का अधिकार देता है। जब किसी राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तब केवल विद्यार्थियों का भविष्य ही नहीं, बल्कि पूरे समाज का विश्वास भी प्रभावित होता है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हाल ही में छात्रों का आंदोलन इसी चिंता का प्रतीक था। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और पारदर्शिता को लेकर उठे सवालों ने हजारों युवाओं को सड़कों पर उतरने के लिए विवश किया। यह आंदोलन केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि उस व्यवस्था के प्रति असंतोष का प्रतीक था, जिस पर करोड़ों युवाओं के सपने टिके हैं। शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यदि परीक्षा प्रणाली निष्पक्ष और विश्वसनीय न रहे, तो परिश्रम का मूल्य घट जाता है और प्रतिभा के स्थान पर भ्रष्टाचार तथा अव्यवस्था हावी होने लगती है। वर्षों तक कठिन परिश्रम करने वाले विद्यार्थियों के लिए पेपर लीक जैसी घटनाएं केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि उनके भविष्य पर सीधा आघात हैं। यही कारण है कि युवाओं का आक्रोश स्वाभाविक है और उनकी मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। हालिया घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक परिणाम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा रहा। लोकतंत्र में सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों की जवाबदेही आवश्यक है। किंतु किसी एक व्यक्ति के पद छोड़ देने मात्र से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। यदि परीक्षा प्रणाली की संरचनात्मक कमियां बनी रहती हैं, तो भविष्य में भी ऐसे संकट दोहराए जा सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि सरकार परीक्षा संचालन, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, साइबर सुरक्षा और दोषियों के विरुद्ध कठोर दंड जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत बनाए। युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। भारत का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब भी युवाओं ने सकारात्मक दिशा में आंदोलन किया, तब समाज और लोकतंत्र दोनों मजबूत हुए।

महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान कर युवाओं को लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रेरित किया। अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन ने भी यह सिद्ध किया कि शांतिपूर्ण और अनुशासित जनभागीदारी व्यवस्था में परिवर्तन ला सकती है। इन आंदोलनों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी नैतिकता, मर्यादित भाषा और स्पष्ट उद्देश्य थे। इसी संदर्भ में वर्तमान छात्र आंदोलनों का भी मूल्यांकन होना चाहिए। विरोध करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, किंतु विरोध की भाषा और तरीका भी लोकतांत्रिक होना चाहिए। यदि आंदोलन में अशालीन भाषा, व्यक्तिगत आक्षेप या ऐसी अभिव्यक्तियां शामिल हो जाएं जो भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के विपरीत हों, तो आंदोलन का नैतिक प्रभाव कमजोर पडऩे लगता है। आंदोलन की शक्ति उसके शोर में नहीं, बल्कि उसके चरित्र, अनुशासन और उद्देश्य की स्पष्टता में निहित होती है। विश्व के अनेक देशों में छात्र आंदोलनों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमरीका के नागरिक अधिकार आंदोलन, फ्रांस के छात्र आंदोलन, दक्षिण कोरिया के लोकतंत्र समर्थक अभियान और हांगकांग के छात्र प्रदर्शन इस बात के उदाहरण हैं कि युवा समाज को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। किंतु इन आंदोलनों से यह सीख भी मिलती है कि स्थायी सफलता केवल तब मिलती है, जब आंदोलन अपने मूल उद्देश्य, अनुशासन और नैतिक मर्यादा को बनाए रखते हैं। हिंसा, कटु भाषा और व्यक्तिगत आक्षेप किसी भी जन-आंदोलन की नैतिक शक्ति को कमजोर कर देते हैं। किसी भी घटनाक्रम में मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के नाते मीडिया का दायित्व केवल समाचार देना नहीं, बल्कि तथ्यों की निष्पक्ष और संतुलित प्रस्तुति करना भी है। यदि मीडिया सनसनी या राजनीतिक पक्षधरता को प्राथमिकता देता है, तो समाज भ्रमित होता है। शिक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर मीडिया को तथ्यों की प्रमाणिकता, जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोच्च स्थान देना चाहिए। इसी प्रकार सोशल मीडिया का उपयोग भी जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए, क्योंकि आज वही जनमत निर्माण का सबसे प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। लोकतंत्र में नए संगठनों और नए विचारों का स्वागत होना चाहिए। किसी भी संगठन या मंच का मूल्यांकन उसके नाम से नहीं, बल्कि उसके विचार, आचरण और समाज के प्रति सकारात्मक योगदान से होना चाहिए। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य केवल विरोध करना नहीं, बल्कि व्यवस्था के समक्ष व्यावहारिक और रचनात्मक समाधान प्रस्तुत करना भी होना चाहिए। आज सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, साइबर सुरक्षा, स्वतंत्र परीक्षा प्राधिकरण, नियमित ऑडिट तथा पेपर लीक जैसे अपराधों के लिए त्वरित और कठोर दंड व्यवस्था समय की मांग है। जो लोग लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं, उनके प्रति किसी प्रकार की नरमी पूरे समाज के साथ अन्याय होगी।

आप का नज़रिया

'कॉकरोच' जीते, 'प्रधान' हारे

आंदोलनकारी 'कॉकरोच' जीत गए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। 'कॉकरोच' अभी इसे ट्रेलर मान रहे हैं और शेष फिल्म का इंतजार करने का दावा कर रहे हैं। अब यह आंदोलन राष्ट्रीय होगा, क्योंकि युवा जाग गए हैं। यह दावा 'कॉकरोचों' के प्रवक्ता सौरव दास का है, जो खुद एक युवा, स्वतंत्र पत्रकार हैं। इस आंदोलन के साथ यह धारणा भी खंडित हो गई कि मोदी सरकार में इस्तीफे नहीं हुआ करते। प्रधान भी पहले कैबिनेट मंत्री हैं, जिन्हें इस्तीफा देना पड़ा। यह दावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का था कि इस्तीफे नहीं हुआ करते। ताकतवर मोदी सरकार के 12-साला कालखंड की यह सबसे अहम राजनीतिक, नैतिक, मानसिक पराजय है। पराजय भी उस आंदोलन के संदर्भ में हुई है, जिसके आयोजक 'कॉकरोचों' का कोई आंदोलनकारी इतिहास नहीं है। कोई मजबूत राजनीतिक संगठन नहीं है। भाजपा-संघ की तुलना में 'चींटी' समान है। डिजिटल समर्थन से आंदोलन की जमीनी मशीनरी कैसे तैयार की, इसके मद्देनजर भी सरकार अंधेरे और मुगालते में रही, लेकिन वे उस युवा वर्ग के चेहरे बन गए, जो भाजपा और मोदी सरकार का कोर, जनाधारी वोट बैंक रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में करीब 40 फीसदी युवाओं ने भाजपा को वोट दिए थे, जबकि कांग्रेस के पक्ष में यह समर्थन करीब 21 फीसदी रहा। देश में 15-29 साल के आयु-वर्ग की आबादी 56 करोड़ के करीब है। ऐसे वोट बैंक को नाराज करने का जोखिम बहुत बड़ा था। चूंकि युवाओं का आंदोलन, आक्रोश, गुस्सा देश के 15 से अधिक राज्यों तक फैल चुका था, सभी का नेतृत्व 'कॉकरोच' नहीं कर रहे थे, वामपंथी छात्र संगठन भी सडक़ों पर उतर आए थे, लेकिन एक साझा मकसद ने युवाओं को लामबंद किया, लिहाजा सरकार के शीर्ष स्तर पर यह सोच बनी कि आंदोलन को यथाशीघ्र शांत, समाप्त किया जाए। वांगचुक का अनशन खुलवाना पहला, महत्वपूर्ण प्रयास था, क्योंकि वह 'नैतिक कमांडर' बनकर उभरे थे। बीते शुक्रवार की रात को शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देने को कहा गया। शनिवार सुबह 9 बजे के करीब प्रधान ने प्रधानमंत्री मोदी को इस्तीफा भेज दिया। पेपर लीक का संयोग धर्मेन्द्र प्रधान के साथ गहरे जुड़ा है। वह संघ परिवार के 'प्रवेश, परीक्षा, परिणाम' अभियान का हिस्सा रहे हैं। 1997 में उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के बैनर तले पेपर लीक और शिक्षा-व्यवस्था को लेकर आंदोलन में भाग लिया था। उन्हें भी पुलिसिया लाठियां खानी पड़ीं और फ्रेक्चर भी हुए, लेकिन ओडिशा में वह 'युवाओं के नायक' बनकर उभरे। अब पेपरलीक के बहाने पर ही उन्हें शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा। दरअसल पेपर लीक कोई नई समस्या नहीं है, बल्कि 19 राज्यों में फैले माफिया की निरंतर हरकतों का ही नतीजा है। मोदी सरकार के 12 साल में 116 पेपर लीक कराए गए हैं। इनसे करीब 7.5 करोड़ युवा अभ्यर्थी प्रभावित हुए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 152 पेपर लीक मान रहे हैं। एक स्वतंत्र पड़ताल का यह आंकड़ा भी सामने आया है कि 220 पेपर लीक कराए गए हैं, जिनसे करीब 10 करोड़ युवा और छात्र प्रभावित हुए। सबसे अधिक 11 मामले उप्र में, जबकि मध्यप्रदेश और राजस्थान में 9-9, महाराष्ट्र में 6 और गुजरात में 5 मामले दर्ज कराए गए हैं। सिर्फ नीट ही नहीं, संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, सेना, ओएनजीसी, केंद्रीय विद्यालय संगठन और कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड आदि के भी पेपर लीक हुए हैं, लिहाजा परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी पेपर लीक की कई घटनाएं हुईं।

'कॉकरोच' अभी इसे ट्रेलर मान रहे हैं और शेष फिल्म का इंतजार करने का दावा कर रहे हैं। अब यह आंदोलन राष्ट्रीय होगा, क्योंकि युवा जाग गए हैं। यह दावा 'कॉकरोचों' के प्रवक्ता सौरव दास का है, जो खुद एक युवा, स्वतंत्र पत्रकार हैं। इस आंदोलन के साथ यह धारणा भी खंडित हो गई कि मोदी सरकार में इस्तीफे नहीं हुआ करते। प्रधान भी पहले कैबिनेट मंत्री हैं, जिन्हें इस्तीफा देना पड़ा। यह दावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का था कि इस्तीफे नहीं हुआ करते। ताकतवर मोदी सरकार के 12-साला कालखंड की यह सबसे अहम राजनीतिक, नैतिक, मानसिक पराजय है। पराजय भी उस आंदोलन के संदर्भ में हुई है, जिसके आयोजक 'कॉकरोचों' का कोई आंदोलनकारी इतिहास नहीं है। कोई मजबूत राजनीतिक संगठन नहीं है। भाजपा-संघ की तुलना में 'चींटी' समान है। डिजिटल समर्थन से आंदोलन की जमीनी मशीनरी कैसे तैयार की, इसके मद्देनजर भी सरकार अंधेरे और मुगालते में रही, लेकिन वे उस युवा वर्ग के चेहरे बन गए, जो भाजपा और मोदी सरकार का कोर, जनाधारी वोट बैंक रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में करीब 40 फीसदी युवाओं ने भाजपा को वोट दिए थे, जबकि कांग्रेस के पक्ष में यह समर्थन करीब 21 फीसदी रहा। देश में 15-29 साल के आयु-वर्ग की आबादी 56 करोड़ के करीब है। ऐसे वोट बैंक को नाराज करने का जोखिम बहुत बड़ा था। चूंकि युवाओं का आंदोलन, आक्रोश, गुस्सा देश के 15 से अधिक राज्यों तक फैल चुका था, सभी का नेतृत्व 'कॉकरोच' नहीं कर रहे थे, वामपंथी छात्र संगठन भी सडक़ों पर उतर आए थे, लेकिन एक साझा मकसद ने युवाओं को लामबंद किया, लिहाजा सरकार के शीर्ष स्तर पर यह सोच बनी कि आंदोलन को यथाशीघ्र शांत, समाप्त किया जाए।

दृष्टि कोण

अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव बनते एमएसएमई

इन दिनों पूरे देश की निगाहें संसद के इसी मानसून सत्र में प्रस्तुत किए जाने वाले 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विकास (संशोधन) विधेयक 2026' पर भी टिकी हुई हैं। इस संशोधन विधेयक का मुख्य उद्देश्य देश के एमएसएमई के लिए बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के अनुरूप नीतियों और नियमों को कारगर बनाना है। इसके साथ ही इसका ध्येय कारोबार सुगमता को बढ़ाना, विलंबित भुगतानों से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करना और एमएसएमई क्षेत्र के लिए मध्यस्थता के फैसलों को प्रभावी ढंग से लागू करना है। विधेयक में राज्यों को 'सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषद' (एमएसईएफसी) के गठन के संदर्भ में लचीलापन और अनुकूल प्रावधान दिए गए हैं, ताकि अधिक संख्या में एमएसईएफसी गठित करने का मार्ग प्रशस्त हो सके। उम्मीद है कि यह संशोधन विधेयक कानून बनने पर एमएसएमई को देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव के रूप में स्थापित करने के मद्देनजर असाधारण भूमिका निभाएगा। निश्चित रूप से देश के आर्थिक ढांचे में एमएसएमई का महत्वपूर्ण योगदान है। एमएसएमई आम आदमी के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह क्षेत्र कम पूंजी निवेश के साथ नए व्यवसाय शुरू करने का अवसर प्रदान करता है। एमएसएमई देश में बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा करता है। स्थानीय स्तर और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मिलने से बड़े शहरों की ओर पलायन कम होता है। सरकार की विभिन्न प्राथमिक योजनाओं के तहत छोटे उद्यमियों को बिना किसी कठिन गारंटी के आसान और रियायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। यह क्षेत्र आम लोगों को हुनरमंद बनाकर खुद का काम शुरू करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनते हैं। महिला उद्यमियों और ग्रामीण कारीगरों को मुख्यधारा से जोडक़र आर्थिक विषमता को दूर करने में सहायता मिलती है। एमएसएमई आम नागरिकों की आजीविका सुधारने और देश की प्रगति में योगदान देने का सशक्त माध्यम है। उल्लेखनीय है कि आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मुताबिक देश में पंजीकृत एमएसएमई की संख्या 7.86 करोड़ से अधिक है। ये उद्योग देश के दूरदराज के गांवों, कस्बों और छोटे शहरों में फैले हुए हैं, जिससे देश का संतुलित क्षेत्रीय विकास संभव हो पा रहा है। कृषि के बाद यह क्षेत्र भारत में आजीविका का दूसरा सबसे बड़ा आधार है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में, जहां हर साल लाखों नए युवा रोजगार की तलाश करते हैं, वहां बड़े उद्योगों की तुलना में ये छोटे उद्योग बहुत कम पूंजी में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देने की क्षमता रखते हैं। इस क्षेत्र के माध्यम से देश में लगभग 32.82 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इन उद्योगों की हिस्सेदारी लगभग 31.1 प्रतिशत है। इसका सीधा अर्थ यह है कि देश की कुल कमाई का लगभग एक-तिहाई हिस्सा इन छोटे कारखानों, दुकानों और स्थानीय निर्माण इकाइयों से आता है। देश के कुल विनिर्माण उत्पादन में इन उद्योगों की भागीदारी करीब 35.4 प्रतिशत है। देश से होने वाले कुल निर्यात में एमएसएमई का योगदान लगभग 48.58 प्रतिशत का है। हस्तशिल्प, वस्त्र, चमड़े के सामान, इंजीनियरिंग के छोटे पुर्जे और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ जैसी वस्तुएं इन्हीं उद्योगों के जरिए दुनिया भर में भारत का नाम रेखांकित कर रही हैं। यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि एमएसएमई का देश के विकास में अभूतपूर्व योगदान है। इसके बावजूद इन छोटे उद्योगों को चलाने वाले उद्यमियों को कई कठिन परिस्थितियों से जूझना पड़ता है। इनमें कार्यशील पूंजी और कोष की किल्लत प्रमुख है।

पीसीबी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम में दो नये खिलाड़ियों अब्दुल्ला शफीक और सऊद शकील को शामिल किया

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आगामी टेस्ट श्रृंखलाओं के देखते हुए अपनी टीम में दो नए खिलाड़ियों सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और मध्यक्रम के बल्लेबाज सऊद शकील को शामिल किया है। इन दोनो को वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी टेस्ट श्रृंखला और उसके बाद इंग्लैंड दौरे को देखते हुए शामिल किया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान को तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। शफीक को चोटिल अब्दुल्ला फजल के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है, जबकि शकील को विदेशी पिचों पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए शामिल किया गय है।

पिछले कुछ समय मे युवा सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने घरेलू क्रिकेट में अच्छे शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। जिससे उन्हें टीम में जगह मिली है। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनके पास अच्छा रिकार्ड है, जिसमें शतक और अर्धशतक शामिल हैं। वह अपनी तकनीक और धैर्य के लिए जाने जाते हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह अब्दुल्ला फजल की अनुपस्थिति में शीर्ष क्रम को अच्छी शुरुआत देंगे। ।शफीक की क्षमता पर चयनकर्ताओं का भरोसा यह दर्शाता है कि वे युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परखने के लिए उत्सुक हैं।

वहीं, सऊद शकील को टीम में शामिल करना पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइन-अप को गहराई देने की रणनीति का हिस्सा है। शकील ने भी घरेलू सर्किट में लगातार काफी रन बनाए हैं और उन्हें मध्यक्रम में एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। विदेशी दौरों पर अक्सर कठिन परिस्थितियों और तेज गेंदबाजों के सामने बल्लेबाजी करना एक बड़ी चुनौती होती है, और ऐसे में एक नए, प्रतिभाशाली बल्लेबाज को मौका देना टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। पीसीबी के अनुसार, शकील की बाएं हाथ की बल्लेबाजी टीम को विविधता प्रदान करेगी और उन्हें उम्मीद है कि वह दबाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

यह चयन ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपनी टेस्ट क्रिकेट में निरंतरता और गहराई की तलाश में है। वेस्टइंडीज का दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, खासकर उनकी तेज और उछाल भरी पिचों पर, और उसके बाद इंग्लैंड जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उनकी धरती पर खेलना एक बड़ी परीक्षा होगी।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रमंडल खेल 2026: पाकिस्तान के मुक्केबाज को हराकर जदुमणि सिंह क्वार्टरफाइनल में

ग्लासगो। भारत के मुक्केबाज मंडेंगबाम जदुमणि सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुषों के 55 किलोग्राम भार वर्ग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने पाकिस्तान के रहमान सुमामा को एकतरफा अंदाज में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। जदुमणि ने मुकाबले के तीनों राउंड में आक्रामक और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। उनकी सटीक पंचिंग, बेहतरीन फुटवर्क और मजबूत रक्षात्मक रणनीति के सामने पाकिस्तानी मुक्केबाज प्रभाव नहीं छोड़ सके। पांचों निर्णायकों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें विजेता घोषित किया। आधिकारिक स्कोरकार्ड के अनुसार, तीन निर्णायकों ने मुकाबला 30-27, जबकि दो अन्य निर्णायकों ने 29-28 के अंतर से जदुमणि सिंह के पक्ष में अंकित किया। इससे पूरे मुकाबले में भारतीय मुक्केबाज की स्पष्ट बढ़त और नियंत्रण का पता चलता है। इससे पहले, प्रथम दौर (राउंड आफ-32) में भी जदुमणि ने स्कोटलैंड के कुलन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। ग्लासगो में यह उनकी लगातार दूसरी एकतरफा जीत है। अब जदुमणि सिंह 28 जुलाई को होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जाम्बिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले प्री-क्वार्टरफाइनल विजेता से भिड़ेंगे।

अय्यर ने युवा खिलाड़ियों अशोक और वैभव को सौंपी ट्राफी, धोनी ने शुरु की थी परंपरा

हरारे। भारतीय टीम ने यहां तीसरे और अंतिम टी20 क्रिकेट मुकाबले में मेजबान जिम्बाब्वे को 35 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। इस मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने ट्राफी दो नये खिलाड़ियों तेज गेंदबाज अशोक शर्मा और 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को ट्राफी थमा दी। युवा खिलाड़ियों को ट्राफी सौंपने की ये परंपरा पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने शुरु की थी जो अय्यर ने भी बरकरार रखी है। धोनी कोई बड़ी सीरीज या टूर्नामेंट जीतने के बाद ट्राफी टीम के सबसे युवा या नए खिलाड़ियों को सौंप देते थे। उनका मानना था कि ऐसा करने से युवा खिलाड़ी उस पल को पूरी तरह जी पाते हैं, उन्हें अपनी अहमियत महसूस होती है और उनका मनोबल बढ़ता है। जिससे वह और बेहतर प्रदर्शन करने में सफल होते हैं। धोनी की इस बेहतरीन विरासत को उनके बाद कप्तान बने विराट कोहली, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव ने भी बरकरार रखा जिसे अब अय्यर ने आगे बढ़ाया है। ये दिखाता है कि भारतीय क्रिकेट में ट्राफी सिर्फ कप्तान की नहीं, बल्कि पूरी टीम की सामूहिक उपलब्धि मानी जाती है। युवा खिलाड़ियों को इस तरह सम्मान देना टीम इंडिया की मजबूत संस्कृति, एकजुटता और ड्रेसिंग रूम के सकारात्मक माहौल का भी प्रतीक है। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 192 रन बनाये। इसके बाद 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम सात विकेट पर 157 रन ही बना पायी।

मैनचेस्टर सिटी में एलियट एंडरसन के खेल पर रहेंगी नजरें

लंदन । मैनचेस्टर सिटी के सबसे महंगे खिलाड़ी मिडफील्डर एलियट एंडरसन की अब लीग में कड़ी

परीक्षा होगी। एलियट के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सिटी ने उसे रिकार्ड 116 मिलियन पाउंड में अपने साथ जोड़ा है। इससे 23 वर्षीय एंडरसन ब्रिटेन के सबसे महंगे फुटबालर हैं, जो उनकी प्रतिभा और बढ़ती मांग को दर्शाता है।यह घटनाक्रम इस बात की स्पष्ट पुष्टि करता है कि प्रीमियर लीग क्लब अपनी टीमों को मजबूत करने के लिए शीर्ष प्रतिभाओं पर कितनी बड़ी रकम खर्च करने को तैयार हैं, खासकर जब बात स्टार खिलाड़ियों की हो। यह भी बताया जा रहा है कि मैनचेस्टर सिटी ने शुरुआत में एंडरसन के लिए 80 मिलियन पाउंड का प्रस्ताव दिया था, जिसे नाटिंघम फारेस्ट ने अपनी मांग पर अड़े रहते हुए अस्वीकार कर दिया था। फारेस्ट प्रबंधन एंडरसन की असाधारण प्रतिभा और पिछले सत्र के प्रदर्शन को देखते हुए एक बड़ी कीमत पर अडिग था, जिसका परिणाम यह रिकार्ड-तोड़ सौदा है।एंडरसन का पिछला प्रीमियर लीग सत्र उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ रहा, जहां उन्होंने नाटिंघम फारेस्ट के लिए असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय वेटलिफ्टरों का जलवा कायम, बिंदियारानी देवी ने जीता कांस्य पदक

भारत की बेटियों ने फिर बढ़ाया देश का मान, वेटलिफ्टिंग में भारत के खाते में आया पांचवां पदक

स्नैच में 87 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 112 किग्रा वजन उठाकर बिंदियारानी ने किया शानदार प्रदर्शन

ग्लास्गो। राष्ट्रमंडल खेलों (कॉमनवेल्थ गेम्स) में भारतीय वेटलिफ्टरों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। रविवार को महिलाओं के 58 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में भारत की बिंदियारानी देवी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों में वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में भारत का यह कुल पांचवां पदक हो गया है।इससे पहले भारत की स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोला था। वहीं पुरुष वर्ग में ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा) और मुथुपंडी राजा (65 किग्रा) ने रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। रविवार को ही महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में ज्ञानेश्वरी यादव ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को रजत पदक दिलाया। फाइनल के स्नैच राउंड में बिंदियारानी देवी ने 87 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस चरण में नाइजीरिया की रफियातु फोलाशादे ने रिकॉर्ड 103 किलोग्राम वजन उठाकर बढ़त बनाई, जबकि कनाडा की एन सोफी 83 किलोग्राम के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।इसके बाद क्लीन एंड जर्क राउंड में बिंदियारानी देवी ने 112 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया।

1	Australia	25	11	19	55
2	England	7	11	9	27
3	Canada	6	7	4	17
4	Nigeria	6	4	0	10
5	Scotland	4	4	1	9
6	South Africa	3	3	5	11
7	Malaysia	2	0	2	4
8	India	1	3	2	6
9	New Zealand	0	4	2	6
10	Wales	0	2	5	7

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में जयवर्धने पोंटिंग सहित इन खिलाड़ियों के नाम है सबसे अधिक कैच

मुम्बई

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ ही फिल्डिंग का भी खासा महत्व है। अच्छी फिल्डिंग के जरिये मैचों का रुख बदलते हुए देखा गया है। इस कारण एक कहावत है कैच पकड़ों और मैच जीतो। इसी कारण टीमें शुरुआत से ही फिल्डिंग पर जोर देती रही हैं। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक फील्डर हुए हैं। जिन्होंने टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 तीनों प्रारूपों में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान किया है। सबसे अच्छे फील्डरों में श्रीलंका के माहेला जयवर्धने सहित ये नाम शामिल हैं।

महेला जयवर्धने : श्रीलंका के पूर्व कप्तान माहेला जयवर्धने सबसे अच्छे फील्डरों मे शीर्ष पर हैं। साल 1997 से 2015 तक चले अपने 18 साल के शानदार करियर में जयवर्धने ने 652 मैचों की 768 पारियों में कुल 440 कैच लिए हैं। स्लिप में उनकी उंगलियों से कोई गेंद बच नहीं पाती थी। एक मुकाबले में चार कैच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है, जबकि प्रति पारी कैच का उनका औसत 0.572 था।

रिकी पोंटिंग : वहीं दूसरे नंबर पर - आस्ट्रेलिया के महानतम कप्तानों और बल्लेबाजों में शुमार रिकी पोंटिंग हैं। 1995 से 2012 के दौरान पोंटिंग ने आस्ट्रेलियाई टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 560 मैचों की 717 पारियों में 364 कैच अपने नाम किए। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के अलावा, पोंटिंग पाइंट और स्लिप में फुर्ती के लिए जाने जाते थे। उनका एक पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीन कैच का रहा है, जबकि उनका प्रति पारी कैच औसत 0.507 दर्ज किया गया है।

रास टेलर : न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाजों में से एक रास टेलर इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। 2006 से शुरू हुए अपने लंबे अंतर्राष्ट्रीय करियर में टेलर ने 454 मैचों की 550 पारियों में 354 कैच पकड़े हैं। स्लिप में रास टेलर की निरंतरता कमाल की थी। उन्होंने एक मैच में अधिकतम चार कैच लपके और उनका कैच प्रति पारी औसत 0.643 रहा, जो कि शीर्ष तीन खिलाड़ियों में सबसे शानदार माना जाता है।

स्टीव स्मिथ : चौथे स्थान पर आस्ट्रेलिया के आधुनिक दौर के सबसे एकाग्र और तकनीकी रूप से निपुण खिलाड़ी स्टीव स्मिथ खड़े हैं। 2010 से अब तक अपने अंतर्राष्ट्रीय सफर में स्मिथ ने 360 मुकाबले खेले हैं, जिनकी 472 पारियों में उन्होंने 346 कैच अपने हाथों में सुरक्षित किए हैं।

31 जुलाई से शुरु होगा डीपीएल सत्र, ऋषभ , ईशांत भी खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट का तीसरा सत्र 31 जुलाई से शुरु होगा। इसमें ऋषभ पंत, अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा के अलावा नीतीश राणा ,नवदीप सैनी और प्रिंस यादव जैसे अनुभवी खिलाड़ी आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। यह रोमांचक टूर्नामेंट 31 जुलाई से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगा। इसमें राजधानी की सबसे अच्छी क्रिकेट प्रतिभाएं खेलती दिखेंगी। इस लीग ने बहुत कम समय में ही अपनी पहचान बनायी है। इससे अनुभवी खिलाड़ियों के लिए अपने फार्म को हासिल करने और युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का भी एक अच्छा अवसर रहता है। इसके पिछले सत्र में वेस्ट दिल्ली लायंस ने राणा की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार डीपीएल खिताब जीता था। इस जीत ने न केवल टीम का मनोबल बढ़ा बल्कि लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर भी बढ़ा है। इस बार भी यह देखना होगा कि क्या दिल्ली लायंस टीम अपने खिताब का बचाव कर पाते हैं या नहीं।पुरुष प्रतियोगिता के अलाव इस लीग के महिला टर्नामेंट में भी रोमांच की कोई कमी नहीं रहने वाली है। देश की कई प्रमुख महिला क्रिकेटर इस मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी, जिनमें स्टार खिलाड़ी श्वेता सहरावत, अनुभवी प्रिया पुनिया, सोनी यादव और आयुषी सोनी जैसे नाम प्रमुख हैं।

दक्षिण क्षेत्र सीबीएससी बालक शतरंज चैंपियनशिप 2026 का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद।

पल्लवी मॉडल स्कूल, बोदुप्पल में चार दिवसीय दक्षिण क्षेत्र सीबीएसई (डन01) बालक शतरंज चैंपियनशिप 0 2026 का उद्घाटन 27 जुलाई को हुआ, जो 30 जुलाई 2026 तक चलेगी।

इस प्रतियोगिता में तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 212 सीबीएसई स्कूलों से आए 846 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन एफआईडीई महिला ग्रैंडमास्टर बोड्डा प्रत्युषा ने किया। इस अवसर पर निदेशक श्री सुशील कुमार, प्राचार्या श्रीमती टी. तनुजा और अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक श्री आर. चंद्रमौली उपस्थित रहे। डब्ल्यूजीएम बोड्डा प्रत्युषा ने शतरंज की पहली चाल चलकर चैंपियनशिप का शुभारंभ किया और प्रतिभागियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए निदेशक श्री सुशील कुमार ने कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जो विश्लेषणात्मक सोच, धैर्य और निर्णय लेने की क्षमता का विकास करता है। वहीं प्राचार्या श्रीमती टी. तनुजा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उनके सफल प्रदर्शन की कामना की। बेहतरीन व्यवस्थाओं और उत्साहजनक भागीदारी के साथ यह प्रतियोगिता पल्लवी मॉडल स्कूल की खेल व अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यूपीटी20 ने उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए खोले बड़े अवसर : राजीव शुक्ला

लखनऊ

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने यूपीटी20 लीग और यूपीसीए स्पीड हंट पहल की जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट ने उत्तर प्रदेश के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का बड़ा मंच दिया है। उन्होंने कहा कि स्पीड हंट के जरिए राज्यभर से तेज गेंदबाजों की पहचान की गई है, जिनमें इस बार 134 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले 38 तेज गेंदबाज यूपीटी20 लीग की नीलामी तक पहुंचे।

यूपीटी20 लीग का चौथा सत्र 14 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें उद्घाटन मुकाबला काशी रुद्रास और मेरठ मावेरिक्स के बीच खेला जाएगा।

राजीव शुक्ला ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि यूपीटी20 लीग के पिछले तीन सत्रों का प्रभाव अब साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश के 18 खिलाड़ियों ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हिस्सा लिया और इनमें से कई खिलाड़ियों को यूपीटी20 लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद पहचान मिली। उन्होंने कहा कि आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्काउट्स इस लीग पर लगातार नजर रखते हैं, जिससे यह युवा खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का महत्वपूर्ण मंच बन गया है। उन्होंने यूपीसीए स्पीड हंट की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पहल ने प्रदेश के कोने-कोने से प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों को सामने लाने का काम किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अपने अनकैप्ड खिलाड़ियों में कम से कम एक खिलाड़ी स्पीड हंट से शामिल करना चाहिए। भविष्य में लीग के विस्तार पर राजीव शुक्ला ने कहा कि फिलहाल छह टीमों वाली लीग सफलतापूर्वक स्थिर हो चुकी है। यदि भविष्य में संचालन परिषद (गवर्निंग काउंसिल) टीमों की संख्या बढ़ाने की सिफारिश करती है, तो एपेक्स काउंसिल इस पर गंभीरता से विचार करेगी। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता पहले एक मजबूत और टिकाऊ लीग तैयार करने की रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश के अधिक से अधिक शहरों तक क्रिकेट पहुंचाना यूपीसीए का लक्ष्य है। इसी सोच के तहत इस बार खिलाड़ियों की नीलामी आगरा में आयोजित की गई। उनका मानना है कि इससे शहर के क्रिकेट ढांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे प्रदेश में बेहतर क्रिकेट अधोसंरचना विकसित होगी, लीग के विस्तार की संभावनाओं पर भी काम किया जाएगा। यूपीटी20 लीग के चौथे संस्करण का उद्घाटन समारोह और शुरुआती चरण के मुकाबले भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेले जाएंगे। इसके बाद टूर्नामेंट ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर स्थानांतरित होगा, जहां शेष लीग मुकाबलों के साथ-साथ प्लेआफ और फाइनल का आयोजन होगा।

मंचेरियाल कृषि बाजार समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने ली शपथ

मंचेरियाल, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मंचेरियाल नगर निगम क्षेत्र स्थित पद्मनायक फंक्शन हॉल में रविवार को नवनियुक्त कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और निदेशकों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव और पूर्व डीसीसी अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान रामगिरि बानेश ने अध्यक्ष, जाले रायलिंगु ने उपाध्यक्ष और अशोक लड्डा ने निदेशक पद की शपथ ली। विधायक और पूर्व डीसीसी अध्यक्ष ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक प्रेम सागर राव ने कहा कि किसानों का कल्याण कांग्रेस सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने और बाजार समितियों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने नवनियुक्त समिति से पारदर्शिता और किसानों के विश्वास के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एससी कॉरपोरेशन के प्रदेश अध्यक्ष नागरिगारि प्रीतम, टीपीसीसी उपाध्यक्ष चिटल सत्यनारायण, महापौर धरनी मधुकर, उपमहापौर सल्ला रम्या-महेश, कांग्रेस नगर अध्यक्ष तूमुला नरेश सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जीएनआईटी में 15वां दीक्षांत एवं प्लेसमेंट दिवस संपन्न, 714 छात्रों को मिली उपाधि

हैदराबाद, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (जीएनआईटी), इब्राहिमपटनम में शनिवार को 15वें दीक्षांत एवं प्लेसमेंट दिवस का भव्य आयोजन हुआ। समारोह में 714 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 18 मेधावी छात्रों को स्वर्ण व रजत पदकों से सम्मानित किया गया। ये पदक संस्थान के संस्थापक स्व. सरदार तविंदर सिंह कोहली की स्मृति में स्थापित हैं। संस्थान ने प्लेसमेंट में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की। 205 से अधिक कंपनियों द्वारा आयोजित भर्ती अभियान में चयनित 583 विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। इस वर्ष सर्वाधिक 40 लाख रुपये का वार्षिक पैकेज म्यू सिग्मा ने दिया, जबकि प्रोविडेंस ग्लोबल ने 14 लाख और रियलपेज ने 10 लाख का पैकेज दिया। टीसीएस, इंफोसिस, डेलॉइट, कॉग्निजेंट और एचसीएल टेक जैसी प्रमुख कंपनियां भी भर्ती में शामिल रहीं। समारोह के मुख्य अतिथि जेट्टा माइन लैब्स के मुख्य एआई अधिकारी शंकर वेमा और विशिष्ट अतिथि कंपनी के एमडी नाग गुप्ता ने छात्रों को नवाचार और सतत अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

नलगोंडा में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्धवार्षिक बैठक संपन्न

राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन एवं हिंदी दिवस प्रतियोगिताओं पर हुआ विचार-विमर्श

विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थानों और केंद्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने की सहभागिता

नलगोंडा, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, नलगोंडा के संयोजन एवं तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नलगोंडा की अर्धवार्षिक बैठक सोमवार को सहायक महाप्रबंधक श्री गुर्रम वीरा स्वामी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों तथा केंद्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन, हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने तथा आगामी हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित की जाने वाली हिंदी प्रतियोगिताओं की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक का संचालन भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नलगोंडा के सदस्य-सचिव श्री वाई. प्रसन्न कुमार ने किया। उन्होंने राजभाषा के संवर्धन एवं सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रभावी उपयोग के लिए सभी सदस्य संस्थानों से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया।अंत में केनरा बैंक की प्रबंधक (राजभाषा) सुश्री गीता राणा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रधानमंत्री भगवान नहीं : सौरव दास

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।
कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने दिल्ली समेत अन्य भाजपा शासित राज्यों में पुलिस प्रशासन द्वारा प्रदर्शनकारी छात्रों को धमकाने और प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। एक विशेष बातचीत में उन्होंने कहा, हमारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह ने सरकार की ओर से यह लिखित आश्वासन देने का भरोसा दिया था कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी, दर्ज मुकदमों को वापस लिया जाएगा और भविष्य में भी किसी के खिलाफ प्रतिशोध की भावना से कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी।

सौरव दास ने सरकार को वादे की याद दिलाते हुए कहा कि देश के कई राज्यों से लगातार छात्रों पर पुलिसिया कार्रवाई की खबरें आ रही हैं। बच्चों को हिरासत में लिया जा रहा है और उन पर सामूहिक रूप से गंभीर धाराओं में प्राथमिकियां दर्ज की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि केवल बिहार में ही करीब 500 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

सीजेपी प्रवक्ता ने मांग की कि सरकार ने देश के युवाओं से जो वादा किया था, उस पर तुरंत अमल करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी शर्तों में यह शामिल था कि यह राहत केवल दिल्ली तक सीमित न रहकर सभी भाजपा शासित और सहयोगी दलों के राज्यों में भी समान रूप से लागू होनी चाहिए। संगठन फिलहाल केंद्र सरकार के आधिकारिक पत्र का इंतजार कर रहा है।

सोशल मीडिया पर सेंसरशिप को लेकर उठाए सवाल

दिल्ली पुलिस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से जुड़ी सोशल मीडिया पोस्ट हटाए जाने के मुद्दे पर सौरव दास ने तीखा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा, औक्या आपत्तिजनक है और क्या नहीं, यह कौन तय करेगा? जो किसी के लिए आपत्तिजनक है, वह दूसरों के लिए सामान्य हो सकता है। यदि पुलिस को इस तरह मनमानी छूट दी गई, तो वह इसे केवल सेंसरशिप के हथियार की तरह इस्तेमाल करेगी। यदि किसी ने प्रधानमंत्री पर कोई हल्का-फुल्का मजाक कर दिया, तो इसमें क्या गलत है? क्या प्रधानमंत्री कोई भगवान हैं? लोकतंत्र में मजाक बनाना और आलोचना करना सामान्य बात है, लेकिन ऐसे कंटेंट को जानबूझकर हटाया जा रहा है।

सौरव दास ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि बीते वर्षों में जितनी ज्यादा सेंसरशिप थोपने की कोशिश की गई है, उतना ही अधिक विरोध और कंटेंट सामने आया है। सरकार को छात्रों को झूठे मुकदमों में फंसाने या इंटरनेट पर सेंसरशिप लगाने के बजाय अपने वादों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दिया गया आश्वासन किसी एक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि सड़कों पर उतरे उन लाखों युवाओं के भविष्य का सवाल है। भले ही छात्र फिलहाल जंतर-मंतर से हट गए हों, लेकिन यदि सरकार मुकरती है तो देश के जागरूक और एकजुट युवाओं को दोबारा सड़कों पर उतरने में ज़रा भी वक्त नहीं लगेगा।

महिला मंडल की बैठक में तीज महोत्सव एवं स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स स्थित एक होटल में महिला मंडल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी तीज महोत्सव एवं 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित महिलाओं ने दोनों आयोजनों को उत्साह, उल्लास एवं भारतीय संस्कृति की गरिमा के अनुरूप मनाने पर अपने विचार साझा किए। साथ ही कार्यक्रमों की तैयारियों, सहभागिता एवं विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।बैठक में मधु, नीता, सुनीता, अनीता, पिंकी, नमिता, रेखा, बसंती, सोनिया, भाजपा नेता सपना गुप्ता, उमा, अल्का जिजानी सहित अन्य महिलाओं ने भाग लिया।

निस्वार्थ सेवा में सहयोग ही सबसे बड़ा धर्म : प्रीतिका अग्रवाल

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रीतिका अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की जाने वाली सेवा ही सच्चे मानव जीवन का आधार है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण और निरंतरता के साथ जरूरतमंदों तक अन्नदान एवं सेवा का कार्य पहुँचा रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से आह्वान किया कि ऐसे पुण्य कार्यों में अधिक से अधिक सहयोगी बनकर मानव सेवा की इस पावन मुहिम को और मजबूत करें।

उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग बिना किसी भेदभाव के एकजुट होकर सेवा का संकल्प लेते हैं, तब समाज में प्रेम, सद्भाव और संस्कारों की भावना स्वतः विकसित होती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल अन्नदान ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को जीवित रखने का भी कार्य कर रहा है। ऐसे सेवा कार्यों से अनेक जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान आती है और यही किसी भी संस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा नियमित रूप से इस अभियान से जुड़े रहने का संकल्प लिया। सभी ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल बताया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल तथा जगन गुप्ता सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

सीआई वेंकटेश ने संभाला पदभार, समाज प्रतिनिधियों ने किया सम्मान

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद के नरेडमेट पुलिस स्टेशन में सीआई वेंकटेश ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उनसे शिष्टाचार भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाग्यनगर तेलंगाना पान ब्रोकर्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मदनलाल रावल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सीआई वेंकटेश का शाल एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया तथा उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की।

सम्मान समारोह में गणेशराम बर्फा, हेमंत तातेड, हापूराम गहलोत, भेराराम लखावत, श्री आईजी गौशाला के सचिव हुकमाराम सानपुरा, मोतीलाल काग, पारसनाथ, राम गहलोत सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर बेगम बाजार में आयोजित हुआ श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बेगम बाजार में एक श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष श्री टी. उमा महेंद्र रहे। इस अवसर पर जिला महासचिव श्री कृष्णा एवं वरिष्ठ नेता श्री अला पुरुषोत्तम भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में श्रीकांत, रामू नटराज, दीपक एवं मोहन गौड़ सहित अनेक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने भाग लेकर कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री जी. रामू द्वारा किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एफआईआर...

4.भविष्य की सुरक्षा: 26 जुलाई शाम 6 बजे से पहले के मामलों में नामज़द लोगों के खिलाफ भविष्य में भी इन घटनाओं के सिलसिले में कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

तेजस्वी यादव के अल्टीमेटम के बाद आया फैसला

यह फैसला नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा सरकार को दिए गए अल्टीमेटम के ठीक बाद आया है। तेजस्वी यादव ने सरकार को चेतावनी दी थी कि यदि 27 जुलाई की रात 12 बजे तक छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए गए, तो वे पूरे बिहार में बड़ा जन-आंदोलन खड़ा करेंगे।

तेजस्वी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा था, प्रदर्शनकारी छात्रों के केस वापस लेने का आज रात 12 बजे तक का अल्टीमेटम है, वरना 29 जुलाई को सुबह 7 बजे से राज्यव्यापी आंदोलन शुरू होगा। दिल्ली के रिमोट से चलने वाले अहंकारी मुख्यमंत्री को आधिकारिक पत्र लिखकर भी सचेत किया जा चुका है।

सरकार के इस कदम से राज्य में गहराता सियासी और छात्र असंतोष फिलहाल शांत होता दिख रहा है।

प्रधान इस्तीफ़े...

विपक्षी नेताओं का आरोप है कि पंजाब लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इस परीक्षा में प्रश्नपत्र के सेट लीक हुए थे और बाद में मामले को दबाने के लिए असामान्य तरीके से ग्रेस मार्क्स का सहारा लिया गया। इस परीक्षा में पारदर्शी जांच और पुनः परीक्षा की मांग को लेकर कृषि स्नातकों और युवा अभ्यर्थियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किए थे।

आंध्र प्रदेश: मेगा डीएससी-2025 परीक्षा में अनियमितता के आरोप, नारा लोकेश से इस्तीफे की मांग

आंध्र प्रदेश में मेगा डीएससी-2025 शिक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए शिक्षा मंत्री नारा लोकेश के इस्तीफे की मांग की है। इसके साथ ही पार्टी ने पूरे मामले की अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच कराने की मांग भी उठाई है।

वाईएसआरसीपी के नेता व पूर्व शिक्षा मंत्री आदिमुलापु सुरेश तथा पार्टी के छात्र विंग के कार्यकारी अध्यक्ष रविचंद्र ने आरोप लगाया कि राज्य की गठबंधन सरकार ने भर्ती परीक्षा की पारदर्शिता, गोपनीयता और निष्पक्षता से समझौता किया है, जिससे करीब 3.5 लाख अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है।

आदिमुलापु सुरेश ने सवाल उठाया कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी एक ही एजेंसी तथा अधिकारियों को क्यों दी गई? उनके मुताबिक इससे पूरी भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पेपर अपलोड करने जैसे गोपनीय कार्य आउटसोर्स कर्मचारियों से कराए गए और परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े कुछ लोगों ने ही शीर्ष रैंक हासिल की है, जिससे गंभीर संदेह पैदा होता है। वाईएसआरसीपी के अनुसार, उसने इस मामले से जुड़े सैकड़ों दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य और वीडियो राज्यपाल को सौंप दिए हैं। मेगा डीएससी भर्ती से जुड़े कई मामले फिलहाल अदालत में भी लंबित हैं।

तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा मांगा है। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि अगर राज्य सरकार विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस री-इंबर्समेंट योजना के तहत लंबित 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं कर सकती, तो मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को शिक्षा विभाग अपने पास नहीं रखना चाहिए।

राव ने 25 जुलाई को नीट पेपर लीक मामले को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा हैदराबाद में निकाली गई रैली पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार करीब 20 लाख छात्रों से जुड़ी इस योजना के लंबित बकाये का भुगतान जल्द नहीं करती है, तो उसे जनता के भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा।

एंटी पेपर...

हालांकि, इस मुद्दे पर अंतिम रणनीति और निर्णय मंगलवार सुबह 10 बजे होने वाली विपक्षी दलों की महत्वपूर्ण बैठक में लिया जाएगा, जिसके बाद ही तस्वीर पूरी तरह साफ होगी।

पेपर लीक के खिलाफ लाए जा रहे लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) विधेयक, 2026 पर 28 जुलाई को दोपहर 12 बजे से चर्चा शुरू होने की उम्मीद है। सदन की कार्यवाही के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी दलों से भावुक अपील करते हुए कहा था कि यह विषय देश के करोड़ों विद्यार्थियों, युवाओं के भविष्य और प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है। ऐसे में इस पर दलीय राजनीति से ऊपर उठकर व्यापक और सार्थक चर्चा होना अत्यंत आवश्यक है।

स्पीकर ने सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों से ही शाम 5 बजे तक आपस में संवाद कर बीच का रास्ता निकालने का आग्रह किया था। इसके बाद उन्होंने खुद अलग-अलग राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स से व्यक्तिगत बातचीत की।

इसी का नतीजा रहा कि दोनों पक्ष बिल पर चर्चा के लिए सहमत हो गए और मंगलवार दोपहर 12 बजे से इस पर विस्तृत बहस तय हुई।

यह विधेयक सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, धांधली, संगठित परीक्षा माफिया और अन्य अनुचित साधनों पर प्रभावी ढंग से रोक लगाने के उद्देश्य से लाया गया है। मंगलवार को होने वाली चर्चा के दौरान विभिन्न राजनीतिक दल विधेयक के प्रावधानों पर अपने सुझाव और संशोधन प्रस्ताव रख सकते हैं। बहस पूरी होने के बाद सरकार इन सुझावों का जवाब देगी और तत्पश्चात विधेयक को सदन की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दोपहर 12 बजे लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही यह बिल पेश किया था। विपक्षी सदस्यों के भारी हंगामे और वेल में नारेबाजी के बीच ही मंत्री ने बिल पटल पर रखा था। स्पीकर की बार-बार अपील के बावजूद जब विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए, तो कार्यवाही को पहले दोपहर 2 बजे और फिर शाम 5 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा था।

स्पीकर के...

किरेन रिजिजू के निमंत्रण पर बागी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय और काकोली घोष दस्तीदार बैठक में शामिल हुए थे। बागी सांसदों की मौजूदगी का विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध किया और प्रतीकात्मक रूप से वॉकआउट भी किया, हालांकि कुछ ही देर बाद विपक्षी नेता बैठक में वापस लौट आए थे।

बंगाल से दिल्ली तक बदलेगा सियासी समीकरण

यदि लोकसभा अध्यक्ष एनसीपीआई में बागी सांसदों के विलय को मंजूरी दे देते हैं, तो यह तृणमूल कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी टूट साबित होगी। ऐसी स्थिति में ये 20 सांसद आधिकारिक रूप से एनडीए के घटक दल एनसीपीआई के प्रतिनिधि के रूप में बैठकों में हिस्सा लेंगे।

वहीं, यदि विलय को मंजूरी नहीं मिलती है, तो उन्हें टीएमसी के बागी (गुट मुक्त) सांसदों के रूप में बैठकों में भाग लेना होगा।

स्पीकर का संभावित फैसला न केवल तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक संकट को और गहरा करेगा, बल्कि संसद के चालू सत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच शक्ति-समीकरणों को भी काफी हद तक प्रभावित करेगा। उल्लेखनीय है कि केवल लोकसभा ही नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में भी टीएमसी के 80 में से 64 विधायकों ने बगावत कर ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में एक अलग गुट का गठन कर लिया है, जिससे पार्टी की राज्य से लेकर केंद्र तक की राजनीति पर गहरे संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 28 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी समापन समारोह श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न

आचार्य भिक्षु अभय पुरुष थे, सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया – मुनि श्री दीप कुमार

मुनि काव्य कुमार बोले आचार्य भिक्षु का जीवन सत्य, संयम और आत्मजागरण का प्रेरणास्रोत

भिक्षु अष्टकम, काव्य प्रस्तुति एवं आध्यात्मिक संदेशों से भक्तिमय बना वातावरण

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ धर्मसंघ के आद्य प्रवर्तक आचार्य श्री भिक्षु की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के समापन समारोह के अंतर्गत सोमवार को सिकंदराबाद स्थित तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन पूज्य युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी एवं सहवर्ती संत मुनि काव्य कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा संपन्न हुआ।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, समारोह में उपस्थित श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री भिक्षु के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित करते हुए उनके त्याग, तप, अनुशासन एवं शुद्ध साधना के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

अपने प्रेरक उद्बोधन में मुनि श्री दीप कुमारजी ने कहा, आचार्य भिक्षु अभय पुरुष थे। उन्होंने सत्य और सिद्धांतों के लिए कभी किसी प्रकार का समझौता नहीं किया।

विपरीत परिस्थितियों में भी वे निर्भीक रहकर धर्म की शुद्धता, साधना की पवित्रता और मर्यादा की रक्षा में अडिग रहे। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु केवल तेरापंथ धर्मसंघ के संस्थापक ही नहीं, बल्कि सत्य, साहस, आत्मानुशासन और सिद्धांतनिष्ठा के साकार प्रतीक थे। उनका संपूर्ण जीवन यह संदेश देता है कि जो व्यक्ति सत्य के मार्ग पर दृढ़ रहता है, उसे किसी भी परिस्थिति से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं होती।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने आगे कहा कि आचार्य भिक्षु ने अपने जीवन में कभी भी सुविधा, लोकप्रियता अथवा किसी प्रकार के दबाव के कारण सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। जब-जब धर्म की शुद्धता, साधना की पवित्रता और मर्यादाओं की रक्षा का प्रश्न आया, तब-तब उन्होंने अद्भुत निर्भीकता, आत्मबल और अटल संकल्प का परिचय दिया। विरोध, संघर्ष और कठिन परिस्थितियां भी उनके कदमों को डिगा नहीं सकीं। उन्होंने अपने आचरण से सिद्ध कर दिया कि सिद्धांतों पर चलने वाला व्यक्ति कभी पराजित नहीं होता।

अपने उद्बोधन में मुनि काव्य कुमारजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि युगदृष्टा एवं क्रांतिकारी चिंतक थे। उन्होंने धर्म को आडंबरों से मुक्त कर आत्मशुद्धि, संयम, समता और साधना का सरल एवं वैज्ञानिक मार्ग प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु का संपूर्ण जीवन सत्य, अहिंसा, नैतिकता और आत्मजागरण का प्रेरणास्रोत है तथा आज आवश्यकता है कि उनके आदर्शों को केवल स्मरण ही न किया जाए, बल्कि व्यवहार में भी उतारा जाए।

कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रस्तुत भिक्षु अष्टकम के मंगलाचरण से हुआ। इस अवसर पर लक्ष्मीपति डूंगरवाल ने अपनी ओजस्वी कविता प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण बना दिया।

गुरु पूर्णिमा शोभायात्रा एवं महाआरती महोत्सव के लिए प्रमुख जनप्रतिनिधियों को दिया गया आमंत्रण

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल सेवा संघ, हैदराबाद द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा शोभायात्रा एवं महाआरती महोत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित किया गया। संघ के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय, तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. रामचंद्र राव, श्री अंजन कुमार यादव तथा तेलंगाना सरकार के ब्राह्मण संक्षेम परिषद के अध्यक्ष श्री बसवराजु श्रीनिवास से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र भेंट किया। साथ ही 29 जुलाई को आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया।

संघ द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 29 जुलाई को प्रातः 10:00 बजे महाआरती का आयोजन होगा, जबकि प्रातः 11:00 बजे पंचायती वाड़ा, बेगम बाजार से भव्य गुरु पूर्णिमा शोभायात्रा का शुभारंभ किया जाएगा।

शोभायात्रा पंचायती बाड़ा से प्रारंभ होकर स्वास्तिक मिर्ची, बेगम बाजार छत्री एवं श्रृंगी ऋषि भवन होते हुए पुनः पंचायती वाड़ा पहुंचकर संपन्न होगी।इस अवसर पर सिखवाल सेवा संघ के अध्यक्ष श्री वल्लभ उपाध्याय के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता श्री सतवीर उपाध्याय, श्री लखन, श्री चेतन तिवारी, श्री सुनील तिवारी, श्री विशाल शर्मा, श्री दुर्गा शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सिखवाल सेवा संघ ने समाज के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं एवं मातृशक्ति से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेकर गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और सामाजिक समरसता के इस पावन महोत्सव को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं।

सेवा का भाव संस्कारों की पहचान : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, समर्पण और मानवता के भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में शामिल सभी समाजसेवियों ने मानव सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए समाज के अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव हमारे संस्कारों की पहचान है। जिस परिवार और समाज में अच्छे संस्कार मिलते हैं, वहां से सेवा, करुणा और परोपकार की भावना स्वतः विकसित होती है। उन्होंने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि ईश्वर ने हमारे हाथों से सेवा का कार्य लिख रखा है। वास्तव में सेवा कराने वाली शक्ति माता रानी, बाबा खाटू श्याम और राधे रानी की असीम कृपा है। हम सभी तो केवल उनके माध्यम हैं। उनकी कृपा के बिना कोई भी सेवा कार्य संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि किसी भूखे को भोजन कराना, जरूरतमंद की सहायता करना और दुखी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची पूजा और ईश्वर की वास्तविक आराधना है। सेवा में न कोई छोटा होता है और न बड़ा, बल्कि सेवा करने वाला प्रत्येक व्यक्ति ईश्वर की कृपा का पात्र बनता है। जब समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपने जीवन का थोड़ा-सा समय और सामर्थ्य मानव सेवा के लिए समर्पित करेगा, तब समाज में प्रेम, भाईचारा और सहयोग की भावना और अधिक मजबूत होगी।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल अन्नदान करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और मानवीय संवेदनाओं को जागृत करना भी है। यह अभियान बिना किसी भेदभाव के निरंतर आगे बढ़ रहा है और अनेक परिवार इस पुण्य कार्य से जुड़कर अपने जीवन को सार्थक बना रहे हैं। उन्होंने सभी सेवा सहयोगियों के समर्पण की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह और निस्वार्थ भावना के साथ सेवा कार्य जारी रखने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि मानव सेवा का यह पवित्र अभियान निरंतर चलता रहेगा तथा जरूरतमंदों तक अन्न, सहयोग और अपनत्व पहुंचाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल एवं जगन गुप्ता सहित अनेक सेवा भावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पहाड़ी श्याम मंदिर में भक्ति रस में सराबोर हुआ श्री श्याम संकीर्तन

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में श्रीराज मित्र मंडल द्वारा आयोजित श्री श्याम संकीर्तन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजन गायक पंकज ओझा एवं निलेश शर्मा ने अपनी मधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को श्याम भक्ति के रस में सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान राम मित्र मंडल, प्रेमी पहाड़ी श्याम के तथा सांवरे के बांवरे के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्तों ने भजनों पर भाव-विभोर होकर बाबा श्याम की भक्ति का आनंद लिया। इस अवसर पर मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया एवं मंजू डाकोतिया के नेतृत्व में भजन गायकों, विशिष्ट अतिथियों तथा विभिन्न मंडलों के सदस्यों का शाल एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्टी विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, ब्रिजेश मोदी, सुरेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल (नाचारम), नागेश अग्रवाल, अशोक सैन सहित बड़ी संख्या में श्याम भक्त उपस्थित रहे।

आचार्य श्रीकांत महाराज के सान्निध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव कल

पूर्ण सेवा संस्थान द्वारा राममनोहर लोहिया फंक्शन हॉल में होगा भव्य आयोजन

गुरुपाद पूजन, आशीर्वचन, भजन-संकीर्तन एवं भंडारी प्रसादी के होंगे विशेष कार्यक्रम

श्रद्धालुओं को आशीर्वाद स्वरूप प्रदान किए जाएंगे अभिमंत्रित सिद्ध कामाख्या यंत्र

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्ण सेवा संस्थान, भारत द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार, 29 जुलाई को प्रातः 10 बजे से राममनोहर लोहिया फंक्शन हॉल, जीएचएमसी कार्यालय के समीप, चूड़ी बाजार, हैदराबाद में भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन पूर्ण सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष, तंत्रवारिधि एवं मनोरोगतज्ञ पूज्य सद्गुरुदेव आचार्य श्रीकांत महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा।

पूर्ण सेवा संस्थान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 10 बजे गुरुपाद पूजन से होगा। इसके उपरांत पूज्य गुरुदेव आचार्य श्रीकांत महाराज उपस्थित शिष्यों एवं श्रद्धालुओं को अपने आशीर्वचन प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के दौरान भजन-संकीर्तन तथा भंडारी प्रसादी का भी आयोजन किया जाएगा।

संस्थान ने बताया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव में पधारने वाले सभी भक्तों को पूज्य गुरुदेव के करकमलों से कामाख्या शक्तिपीठ में भोजपत्र पर निर्मित एवं अभिमंत्रित सिद्ध कामाख्या यंत्र आशीर्वाद स्वरूप प्रदान किए जाएंगे।

पूर्ण सेवा संस्थान ने हैदराबाद एवं सिकंदराबाद के सभी शिष्यों, अनुयायियों एवं श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में उपस्थित होकर गुरु पूजन करें तथा पूज्य गुरुदेव का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करें।

सिखवाल प्रगति समाज के दो दिवसीय एसआईआर सहायता शिविर का भव्य समापन

160 से अधिक मतदाताओं ने भरे प्रपत्र, समाज की पहल की सराहना

महंत राहुल दास महाराज रहे मुख्य अतिथि, सहयोगकर्ताओं का किया गया सम्मान

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल प्रगति समाज, हैदराबाद द्वारा निर्वाचन आयोग की एस.आई.आर. (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया के अंतर्गत समाज बंधुओं को आवश्यक जानकारी एवं सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय सहायता शिविर का सोमवार शाम 5 बजे भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में श्री रामचंद्रजी मठ संगम मंदिर के महंत श्री राहुल दासजी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सिखवाल प्रगति समाज की ओर से उनका सम्मान किया गया। दो दिवसीय सहायता शिविर में एस.आई.आर. प्रक्रिया के जानकार श्री हरीश कुमार ओझा, श्री नितिन कुमार व्यास तथा श्री कन्हैयालाल उपाध्याय ने स्वेच्छा से अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए समाज बंधुओं का मार्गदर्शन किया। उनके सहयोग से दो दिनों में 160 से अधिक मतदाताओं ने अपने प्रपत्र भरकर एस.आई.आर. प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाई।

शिविर में उपस्थित समाज बंधुओं ने निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया को सरल एवं सहज बनाने के लिए सिखवाल प्रगति समाज द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाजहित में एक अनुकरणीय प्रयास बताया।

समापन समारोह में समाज की ओर से श्री हरीश कुमार ओझा, श्री नितिन कुमार व्यास एवं श्री कन्हैयालाल उपाध्याय का शाल एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर रामदेव नागला, चंद्रभान व्यास, सुरेशचंद्र उपाध्याय, महेश उपाध्याय, चम्पालाल ओझा, संदीप जायलवाल, श्रीराम व्यास, भगवान ओझा, पवन कुमार व्यास (बाबरा), मुरलीधर तिवारी, जगदीशप्रसाद उपाध्याय बिकावत (गोभक्त), राधेश्याम कायत, श्यामसुंदर ओझा, श्रीनिवास तिवारी, चम्पालाल नागला एवं अनिल नागला तिवारी सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

एक तरफ हाइड्रा की सख्ती, दूसरी तरफ अवैध निर्माणों पर उठते सवाल

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक ओर तेलंगाना सरकार की हाइड्रा एजेंसी शहर में अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों पर बुलडोजर कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर जीएचएमसी क्षेत्र में कथित अवैध बहुमंजिला इमारतों के निर्माण को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि शहर के कई इलाकों में 150 से 200 वर्ग गज के भूखंडों पर पांच मंजिला इमारतों और पेंटहाउस तक का निर्माण जारी है। कई मामलों में लगातार शिकायतें किए जाने के बावजूद संबंधित विभागों द्वारा केवल नोटिस जारी किए गए, जबकि निर्माण कार्य नहीं रुका।

दिलसुखनगर और सरूरनगर क्षेत्र के पी-टी कालोनी एक मामले में शिकायतकर्ताओं का दावा है कि तीन माह से लगातार शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि संबंधित विभाग समय पर न्यायालय में अपना प्रतिवाद (काउंटर) भी दाखिल नहीं कर सका।

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी में संबंधित डोर नंबर से जुड़ी फाइलें उपलब्ध नहीं होने की बात भी सामने आई, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हुए हैं।

इसी मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट ने संबंधित निर्माण को सील करने का अंतरिम आदेश भी जारी किया है। हाल ही में हाईकोर्ट ने हाइड्रा की कार्यप्रणाली पर भी सख्त टिप्पणी करते हुए अधिकारियों को न्यायालय के आदेशों का कड़ाई से पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया था।

ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि यदि अवैध निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई होनी है, तो क्या कानून का समान रूप से पालन सभी क्षेत्रों और सभी मामलों में सुनिश्चित किया जाएगा। फिलहाल इस मामले में संबंधित विभागों की ओर से इन आरोपों पर विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मादक पदार्थों की कार्रवाई के दौरान पुलिस दल पर जानलेवा हमला

नारकोटिक्स प्रवर्तन शाखा के कांस्टेबल की टांग पर चढ़ाई कार

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान रविवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब संदिग्ध ड्रग खरीदार ने पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए अपनी कार सीधे पुलिसकर्मियों पर चढ़ा दी। इस घटना में हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन शाखा के कांस्टेबल महेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि टीम का नेतृत्व कर रहे निरीक्षक श्रीकांत और एक अन्य कांस्टेबल को भी चोटें आईं। घटना के बाद शहर के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, नारकोटिक्स प्रवर्तन शाखा के कांस्टेबल महेंद्र यादव को आबिड्स क्षेत्र में मादक पदार्थों के अवैध लेन-देन की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर निरीक्षक श्रीकांत के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर आबिड्स स्थित पायल फुटवियर के समीप निगरानी शुरू की गई। कुछ देर बाद पुलिस ने देखा कि एक व्यक्ति ने नीले रंग की मारुति बलेनो कार में बैठे युवक को संदिग्ध पैकेट सौंपा। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पैकेट देने वाले व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया।

इसके बाद टीम ने कार में बैठे युवक को पूछताछ के लिए बाहर आने का निर्देश दिया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान युवक ने सहयोग करने का आभास कराया, लेकिन अचानक उसने कार स्टार्ट कर तेज गति से आगे बढ़ा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने जानबूझकर कार पुलिसकर्मियों की ओर मोड़ दी। इस दौरान कांस्टेबल महेंद्र यादव उसकी चपेट में आ गए और कार उनकी टांग पर चढ़ गई, जिससे उनकी टांग में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। निरीक्षक श्रीकांत तथा एक अन्य कांस्टेबल भी आरोपी को रोकने के प्रयास में घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद आरोपी कार लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम तथा स्थानीय पुलिस ने उसका पीछा शुरू किया। पीछा करते हुए पुलिस ने अफजलगंज क्षेत्र में आरोपी को घेर लिया और उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी की पहचान हुसैनी आलम निवासी सैफ के रूप में हुई है।

घायल कांस्टेबल महेंद्र यादव को तत्काल सोमाजीगुड़ा स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों ने उनकी टांग में फ्रैक्चर की पुष्टि की है। निरीक्षक श्रीकांत और अन्य घायल पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबिड्स एवं अफजलगंज पुलिस थानों में हत्या के प्रयास, सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने तथा अन्य प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। घटनास्थल से बरामद संदिग्ध मादक पदार्थ को फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेजा गया है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी किसी संगठित मादक पदार्थ तस्करी गिरोह से जुड़ा है या नहीं तथा उसके संपर्क में आने वाले अन्य व्यक्तियों की भी पहचान की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राजधानी में मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान पहले की तरह जारी रहेगा और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। मामले की विस्तृत जांच जारी है तथा आरोपी से पूछताछ के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर भाजपा ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत रत्न एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. रामचंदर राव, राज्य के वरिष्ठ पदाधिकारियों, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष श्री जगमोहन सिंह तथा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का दूरदर्शी विजन, उनकी सादगी, विनम्रता तथा राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने विज्ञान, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में जो अमूल्य योगदान दिया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा।

वक्ताओं ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन प्रत्येक भारतीय को बड़े सपने देखने, उन्हें साकार करने के लिए कठिन परिश्रम करने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों और विचारों का अनुसरण कर ही भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है।इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प भी लिया।

डच महिला से यौन उत्पीड़न : बिहार के सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर मामला दर्ज

क्या पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए पुलिस समयबद्ध कार्रवाई करेगी ?

क्या आईटी कंपनियों में कर्मचारियों के आचरण की निगरानी और सत्यापन पर्याप्त है ?

क्या इस मामले से हैदराबाद की कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल नहीं उठते ?

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में एक और शर्मनाक मामला सामने आया है। भारत भ्रमण पर आई नीदरलैंड की 36 वर्षीय महिला के साथ यौन उत्पीड़न और अश्लील हरकत करने के आरोप में गच्चीबौली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी सॉफ्टवेयर इंजीनियर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नीदरलैंड की नागरिक यह महिला इस वर्ष 5 मार्च से 23 मार्च के बीच भारत यात्रा पर आई थी। इस दौरान वह कोंडापुर इलाके में अपने बॉयफ्रेंड के साथ एक मकान में ठहरी हुई थी। आरोप है कि जब महिला का बॉयफ्रेंड किसी काम से बाहर जाता था, तब पास में रहने वाला आरोपी महिला को अकेला पाकर उसके साथ अशोभनीय व्यवहार करता था और लगातार मानसिक व

शारीरिक रूप से परेशान कर रहा था।

घटनाक्रम के मुताबिक, 17 मार्च को जब महिला घर में बिल्कुल अकेली थी, तब आरोपी अर्धनग्न हालत में जबरन उसके कमरे में घुस आया। महिला के विरोध करने के बावजूद उसने उसे गलत नीयत से छुआ और अश्लील हरकतें करते हुए कहा कि ऐसा करने से उसका तनाव दूर होता है।

इसी बीच महिला का बॉयफ्रेंड वापस लौट आया, जिसे देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। इस तरह महिला एक गंभीर घटना का शिकार होने से बच गई।

घटना के बाद पीड़िता 23 मार्च को अपने देश नीदरलैंड लौट गई। वहां पहुंचने के बाद उसने पूरी घटना अपने बॉयफ्रेंड और डच दूतावास को बताई।

दूतावास के परामर्श के बाद पीड़िता 22 जुलाई को विशेष रूप से हैदराबाद पहुंची और गच्चीबौली पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए गच्चीबौली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 75, 78 और 79 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

जांच में आरोपी की पहचान बिहार के मूल निवासी आदित्य आनंद के रूप में हुई है, जो हैदराबाद की एक आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। मामला दर्ज होने की जानकारी मिलते ही आरोपी फरार हो गया।

साइबराबाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। उसकी तलाश में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

द्वितीय चरण के गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत मेडचल जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

'गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करो, गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाओ' की उठी मांग

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला के तत्वावधान में द्वितीय चरण के गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने, गौवंश की रक्षा सुनिश्चित करने तथा देशभर में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर मेडचल जिला कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया।

श्री आईजी गौशाला के उपाध्यक्ष कालूराम काग एवं सचिव हुक्माराम सानपुरा ने बताया कि अभियान की शुरुआत गौशाला प्रांगण में प्रातः 8 बजे विजय मंत्र जाप के साथ हुई। इसके पश्चात गौभक्तों ने शांतिपूर्ण रैली निकाली, जो आईजी गौशाला से प्रारंभ होकर मेडचल जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंची। जिला कलेक्टर कार्यालय में गौभक्तों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विभिन्न राज्यों के राज्यपालों एवं मुख्यमंत्रियों के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने तथा गौवंश संरक्षण के लिए प्रभावी एवं कठोर कानून लागू करने की मांग की।

इस अवसर पर कालूराम काग, हुक्माराम सानपुरा, डायाराम लचेटा, भंवरलाल मुलेवा, भगाराम मुलेवा, किशनलाल पंवार, नारायणलाल, अचलाराम हाम्बड़, अशोक, सोहनलाल, बाबूलाल काग, बगदाराम काग, कृष्णा मोहन, महेंद्र, हरिकेश यादव, विजय यादव, भंवरलाल चौधरी, घनश्याम पटेल, भंवरलाल कुमावत, राजाराम, पारसनाथ, किशन, पारस राठौड़, भीमाराम, सेषाराम, डगराराम, रूपाराम काग सहित बड़ी संख्या में गौभक्त, गौप्रेमी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गीत चाँदनी की 502वीं गुरु पूर्णिमा कवि गोष्ठी कल

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी के 45वें वर्ष की 502वीं मासिक कवि गोष्ठी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कल, बुधवार 29 जुलाई को सायं 6:30 बजे, श्री बालवीर हनुमान मंदिर, प्लेटफॉर्म नं. 1, नामपल्ली रेलवे स्टेशन, हैदराबाद में आयोजित होगी। यह गोष्ठी मंदिर के पूर्व महंत पूज्य जयराम दास जी महाराज की स्मृति को समर्पित रहेगी।

संस्था के कार्यदर्शी कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि गोष्ठी महंत महामंडलेश्वर प्रभुदास जी महाराज के सान्निध्य में होगी। अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार चम्पालाल बैद करेंगे, जबकि एसबीआई के सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) विनय कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि रहेंगे। इस विशेष गोष्ठी में ''वर्तमान परिस्थितियाँ और भारतीय संस्कृति में गुरु की महत्ता'' विषय पर विचार-विमर्श होगा, जिसमें डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आशा ठाकुर और विद्या दवे श्रीमाली विचार रखेंगी। नगर के कविगण गुरु महिमा, राष्ट्रभावना और समसामयिक विषयों पर काव्य-पाठ करेंगे।

संयोजन डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव करेंगी। इस दौरान कवि डी. प्रेमराज की ओर से 1100 रुपये की प्रोत्साहन राशि एक उत्कृष्ट कवि को दी जाएगी।

दहशत फैलाने निकला शातिर अपराधी गिरफ्तार

देसी पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के सरूरनगर क्षेत्र में देसी पिस्तौल लेकर खुलेआम लोगों में दहशत फैलाने निकले एक शातिर अपराधी को पुलिस ने धर दबोचा। मलकाजगिरि विशेष अभियान दल और सरूरनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, भगत सिंह नगर इलाके में एक युवक हथियार लहराते हुए लोगों को भयभीत कर रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी मोहम्मद इमरान उर्फ इब्बू (22) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मोहम्मद फारूक का पुत्र है, पेशे से ऑटो चालक है और शंकर नगर, सरूरनगर का निवासी है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इमरान कोई नया अपराधी नहीं, बल्कि पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज पुराना शातिर अपराधी है।

उसके खिलाफ एलबी नगर जोन के विभिन्न पुलिस थानों में संपत्ति संबंधी कई आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं।

पुलिस अब इस बात की गहन जांच कर रही है कि आरोपी के पास देसी पिस्तौल कहां से आई, उसे हथियार किसने उपलब्ध कराया और वह किस वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। बरामद हथियार का किसी अन्य आपराधिक घटना में इस्तेमाल हुआ है या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि अवैध हथियार रखने वालों और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी सख्ती से जारी रहेगा।

कल्याणकारी योजनाएं जनता में निवेश हैं, मुफ्त की रेवड़ियां नहीं : विक्रमार्क

खम्मम, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को कहा कि कल्याणकारी योजनाएं मुफ्त की रेवड़ियां नहीं बल्कि जनता पर किया जाने वाला निवेश हैं और उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी बच्चा भूखे पेट स्कूल न जाये।

मधिरा विधानसभा क्षेत्र में सरकारी स्कूल के छात्रों को मुफ्त पौष्टिक नाश्ता देने के लिए केंद्रीय सामुदायिक रसोई का उद्घाटन करते हुये श्री भट्टी ने कहा कि 27 लाख छात्रों को शामिल करने वाला यह प्रदेशव्यापी नाश्ता कार्यक्रम एक स्वस्थ और अधिक शिक्षित पीढ़ी के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। राज्य सरकार छात्रों के पोषण में सुधार के लिए दूध और रागी माल्ट भी दे रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, छात्रों का भविष्य ही राज्य का भविष्य है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.